॥ वास्तुकर्म ॥
Vastu - Karm
Consultant Pvt. Ltd.
Architects
Engineers
Planners
Construction
Vastu Consultant
Valuers
वास्तु शांति विधान
Er. Chaitanya Kumar
7471171755
info@vastukarm.com
Real Estate Developers
25 FG, Yash Avenue, Scheme 54, Vijay Nagar, Indore- 452 010
www.vastukarm.com

RNI No. MPHIN/2007/22188

राघवकीर्ति

सच के साथ, तेजी से बढ़ता, निष्पक्ष दैनिक समाचार पत्र

न्यूनतम दर पर
निविदा/विज्ञप्ति/ज़ाहिर सूचना
जन्मदिन/वैवाहिक वर्षगांठ बधाई संदेश
प्रकाशनार्थ आमंत्रित
शोक संदेश/उठावना सूचना निःशुल्क
दैनिक राघवकीर्ति
तेजी से बढ़ता आपका अपना अख़बार
Er. चैतन्य कुमार
प्रबंध संपादक (विज्ञापन विभाग)
8602110000

वर्ष : 19, अंक : 062 | इंदौर गुरुवार, दिनांक 16 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

बालिकाओं का सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविंद्र भवन में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम प्रबुद्ध जन सम्मेलन के शुभारंभ पर सरस्वती वंदना गाने वाली नन्ही बालिकाओं को सम्मानित किया।

भारत की थोक महंगाई में बड़ा उछाल!

मार्च में दर बढ़कर 3.88% पहुंची, कच्चे तेल और गैस ने बिगाड़ा बजट

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महंगाई के मोर्चे पर एक चिंताजनक खबर सामने आई है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2026 में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई की दर बढ़कर 3.88 प्रतिशत हो गई है। यह बढ़ोतरी इसलिए भी चौंकाने वाली है क्योंकि फरवरी में यह दर मात्र 2.13 प्रतिशत थी। एक महीने के भीतर आई इस तेज़ी ने औद्योगिक लागत और आम जनता की जेब पर पड़ने वाले बोझ को लेकर नई बहस छेड़ दी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा, मार्च 2026 में महंगाई की सकारात्मक दर मुख्य रूप से कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुओं, बुनियादी धातुओं के निर्माण और खाद्य वस्तुओं आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

प्राथमिक वस्तुओं (भार : 22.62 प्रतिशत) में 6.36 प्रतिशत की महंगाई दर्ज की गई, जिसमें महीने-दर-महीने 2.28 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई; इसका मुख्य कारण कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की कीमतों में आई भारी बढ़ोतरी थी।

इसी तरह, ईंधन और बिजली (भार : 13.15 प्रतिशत) की दर पिछले महीनों की नकारात्मक महंगाई की तुलना में सकारात्मक होकर 1.05 प्रतिशत हो गई, जो भू-राजनीतिक तनावों के कारण ऊर्जा की कीमतों में आई उछाल को दर्शाता है।

इसके अलावा, विनिर्मित उत्पादों (भार : 64.23 प्रतिशत) में 3.39 प्रतिशत की महंगाई दर्ज की गई, जो औद्योगिक वस्तुओं में लगातार लागत दबाव को इंगित करता है; 22 में से 16 समूहों में कीमतों में वृद्धि देखी गई।

पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने कहा, मार्च 2025 की तुलना में मार्च 2026 में डब्ल्यूपीआई महंगाई में आई भारी वृद्धि, कीमतों की गति में एक व्यापक मजबूती को दर्शाती है। यह मजबूती ऊर्जा से संबंधित घटकों और विनिर्मित उत्पादों में आई उछाल के साथ-साथ प्रमुख प्राथमिक वस्तुओं में पहले आई नरमी के पलटने के कारण आई है।

उन्होंने आगे कहा कि क्रमिक आधार पर, WPI सूचकांक (सभी वस्तुएं) में मार्च 2026 में महीने-दर-महीने 1.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि फरवरी 2026 में यह 0.38 प्रतिशत थी; यह इस महीने के दौरान कीमतों की गति में आई भारी तेजी का संकेत देता है। खाद्य कीमतों में विशिष्ट उतार-चढ़ाव के संबंध में, मंत्रालय ने बताया कि खाद्य सूचकांक–जिसमें प्राथमिक वस्तुओं समूह से खाद्य पदार्थ और विनिर्मित उत्पादों समूह से खाद्य उत्पाद शामिल हैं–फरवरी 2026 के 192.9 स्तर से मार्च 2026 में मामूली रूप से घटकर 192.8 पर आ गया है।

■ महत्वपूर्ण खबरें

महिला आरक्षण बिल का समर्थन, पर तरीके पर ऐतराज : खड़गे

नई दिल्ली/एजेंसी। विपक्ष की बैठक के तुरंत बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि विपक्षी दल महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि सरकार द्वारा विधेयक लाने के तरीके का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक रूप से प्रेरित है। इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम सभी महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में हैं। लेकिन जिस तरीके से इसे पेश किया गया है, उस पर हमें आपत्ति है। यह राजनीतिक रूप से प्रेरित है। विपक्षी दलों को दबाने के लिए सरकार ऐसा कर रही है। हालांकि हमने महिला आरक्षण विधेयक का लगातार समर्थन किया है, लेकिन हम चाहते हैं कि पहले के संशोधनों को लागू किया जाए। वे परिसीमन को लेकर कुछ चालें चल रहे हैं।

नारी शक्ति एक्ट पर पहली महिला राष्ट्रपति का समर्थन, प्रतिभा पाटिल बोलीं- प्रधानमंत्री मोदी का प्रयास सराहनीय

नई दिल्ली/एजेंसी। भारत की पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण अधिनियम) के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह कानून विधायी निकायों में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करके संवैधानिक ढांचे को मजबूत करेगा। पत्र में लिखा था कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के ऐतिहासिक कार्यान्वयन की पहल के लिए मैं हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। यह ऐतिहासिक संवैधानिक संशोधन विधायी निकायों में महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व और भागीदारी को सुनिश्चित करके भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। पाटिल ने कहा कि पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने समान अवसर सुनिश्चित करके महिलाओं के सशक्तिकरण का समर्थन किया।

ईरान संकट पर विदेश मंत्रालय का दो टूक जवाब

भारत की तेल आपूर्ति पर असर नहीं पड़ने देंगे

नई दिल्ली/एजेंसी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को कहा कि भारत ऊर्जा सुरक्षा की जरूरतों और मौजूदा अंतरराष्ट्रीय बाजारों को ध्यान में रखते हुए विविध स्रोतों से तेल खरीदना जारी रखेगा। जयसवाल ने पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा आवश्यकताओं, अंतरराष्ट्रीय बाजार की मौजूदा स्थिति और वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, हम विविध स्रोतों से तेल खरीदना जारी रखेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि भारत होर्मुज जलडमरूमध्य के संबंध में कई देशों से बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि सबसे पहले, वहां मौजूद हमारे शेष जहाज भी सुरक्षित वापस लौट आएं। अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच युद्ध की शुरुआत से ही होर्मुज जलडमरूमध्य, जो एक महत्वपूर्ण व्यापारिक जलमार्ग है, में जहाजरानी बाधित है।

विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई फोन कॉल का भी जिक्र किया और बताया कि इस बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया संघर्ष और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला और सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

नीतीश के बाद बिहार में सम्राट का पावर कंट्रोल! मुख्यमंत्री ने खुद संभाले 29 विभाग

पटना/एजेंसी। जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सम्राट चौधरी के पदभार संभालने के बाद बिहार की राजनीतिक स्थिति में बदलाव आया है। अब एनडीए गठबंधन में मंत्री पदों के बंटवारे को लेकर जानकारी सामने आ रही है। सूत्रों के अनुसार, जेडीयू, भाजपा और अन्य सहयोगी दलों के कितने नेताओं को नए मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा, इस बारे में स्पष्टता आ गई है।

मंत्रिस्तरीय पदों का संभावित वितरण अब स्पष्ट हो गया है, और संख्याएँ दर्शाती हैं कि गठबंधन सरकार में सत्ता का बंटवारा कैसे होगा। जेडीयू नेता विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र कुमार यादव ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है।

भाजपा : मुख्यमंत्री सहित 15 मंत्री
जेडीयू : 2 उपमुख्यमंत्रियों सहित 17 मंत्री
एलजेपी (राम विलास) : 2 मंत्री
एचएम : 1 मंत्री
आरएलएम : 1 मंत्री

बिहार की नवगठित सरकार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कई विभागों का नियंत्रण अपने पास बरकरार रखा है और उन्हें कुल 29 विभागों का प्रभार सौंपा गया है। उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी को 10 विभाग आवंटित किए गए हैं, जबकि उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र कुमार यादव 8 विभागों की देखरेख करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रिमंडल विस्तार 1 मई को होने की उम्मीद है और नई सरकार के कार्यभार संभालने के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने के बाद एनडीए सहयोगियों के बीच समन्वय बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिए एक और अहम चुनौती जेडीयू के भीतर मतभेद पैदा किए बिना राज्य स्तरीय मुद्दों को सुलझाना होगा, खासकर तब जब नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद पार्टी में असंतोष की खबरें सामने आई थीं। हालांकि, नीतीश कुमार ने खुद सार्वजनिक रूप से कोई नाराजगी नहीं जताई।

नोएडा में थमा श्रमिकों का बवाल, वेतन वृद्धि की मांगें मंजूर

7 प्रकरण दर्ज, बाहरी साजिश की जांच में जुटी पुलिस

गौतम बुद्ध नगर/एजेंसी। गौतम बुद्ध नगर के औद्योगिक क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों से जारी फैक्ट्री श्रमिकों का हिंसक विरोध प्रदर्शन अब शांत हो गया है। पुलिस प्रशासन और सरकार के सक्रिय हस्तक्षेप के बाद स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है। नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने पुष्टि की है कि अधिकांश श्रमिकों की प्रमुख मांगें मान ली गई हैं और वे काम पर लौट आए हैं। इंडिया टीवी से बात करते हुए पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि प्रशासन और सरकार के समय पर हस्तक्षेप के कारण श्रमिकों की प्रमुख मांगें मान ली गईं, जिसके बाद अधिकांश श्रमिकों ने काम पर वापसी कर ली है।

कमिश्नर के अनुसार, कंपनियों ने कई मांगों पर सहमति जताई है, जिनमें वेतन वृद्धि, ओवरटाइम का भुगतान सुनिश्चित करना और यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों को सुलझाने के लिए समितियों का गठन शामिल है। संशोधित वेतन दर्शाने वाले नोटिस भी फैक्ट्रियों और कंपनी परिसरों के बाहर लगाए गए हैं, जिससे श्रमिकों का विश्वास बहाल करने और उन्हें काम पर लौटने में मदद मिली है।

पुलिस ने बताया कि पूरे क्षेत्र में कड़ी निगरानी रखी जा रही है और संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त की जा रही है। अब तक, अशांति के संबंध में कुल 7 एफआईआर दर्ज की गई हैं और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने कुछ ऐसे सोशल मीडिया खातों की भी पहचान की है, जिन्हें कथित तौर पर हाल ही में श्रमिकों को उकसाने और तनाव बढ़ाने के लिए बनाया गया था।

अमित शाह की टीएमसी को सीधी चेतावनी- 5 मई के बाद गुंडों को उल्टा लटका देंगे

कोलकाता/एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तरी बंगाल में अपने चुनाव प्रचार के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भ्रष्टाचार के जरिए जनता से कथित तौर पर लूटा गया एक-एक रुपया वापस लेगी। बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले लगातार रैलियों में बोलते हुए उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजनीतिक करियर बेदाग रहा है और मतदाताओं से राज्य में भाजपा को सत्ता में लाने का आग्रह किया।

जलपाईगुड़ी के राजगंज में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सत्ता से हटना अब सिर्फ समय की बात है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा उत्तरी बंगाल से सुधारात्मक कार्रवाई शुरू करेगी और टीएमसी नेतृत्व पर जनता के धन की हेराफेरी का आरोप लगाया। उन्होंने भीड़ से कहा कि मोदी ने गुजरात पर 12 साल शासन किया और केंद्र में अगले 12 साल सत्ता में हैं; फिर भी उन पर एक पैसे के भ्रष्टाचार का भी कोई आरोप नहीं लगा है।

पहले चरण के लिए 2407 कंपनियां तैनात

चप्पे-चप्पे पर होगी केंद्रीय बल की नजर

कोलकाता/एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 2,407 टुकड़ियां तैनात करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि सबसे अधिक बल मुर्शिदाबाद जिले में तैनात किए जाने की संभावना है। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना चार मई को होगी।

अधिकारी ने बताया कि मुर्शिदाबाद में सबसे अधिक 316 टुकड़ियां तैनात की जाएंगी, जिनमें 240 मुर्शिदाबाद पुलिस जिले और 76 जंगीपुर में होंगी। हाल के वर्षों में मुर्शिदाबाद में कई हिंसक घटनाएं हुई हैं, जिनमें वक्फ अधिनियम को लेकर विरोध-प्रदर्शनों से जुड़ी झड़पें और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) आंदोलन के दौरान अशांति शामिल हैं। अधिकारी ने कहा, ''पहले चरण में केंद्रीय बलों की कुल 2,407 टुकड़ियां तैनात की जा रही हैं।

मतदाताओं को निर्भय होकर मतदान करने का अवसर मिले, इसके लिए विस्तृत आकलन के बाद यह तैनाती की गई है।'' उन्होंने बताया कि पूर्व मेदिनीपुर जिले में दूसरी सबसे अधिक 273 टुकड़ियां तैनात की जाएंगी। यह जिला राजनीतिक रूप से अहम नंदीग्राम सीट के कारण विशेष निगरानी में है, जहां प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी चुनाव मैदान में हैं। आयोग ने उत्तर दिनाजपुर को दो पुलिस जिलों में बांटा है, जहां इस्लामपुर में 61 और रायगंज में 71 टुकड़ियां तैनात की जाएंगी।

॥ जय गणेश ॥

आज का पंचांग

16 अप्रैल 2026 गुरुवार, विक्रम संवत् 2083
वैशाख कृष्ण पक्ष चतुर्दशी

सूर्योदय : प्रातः 6.06 बजे (उज्जैन)	चन्द्रमा : मीन
सूर्यास्त : सायं 6.48 बजे	पर्व : गुरुवार व्रत
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपद	दिशाशूल : दक्षिण
योग : एन्द्र	राहुकाल : दोपहर 02.02 बजे से दोपहर 03.37 बजे तक
करण : विष्टि	

आज दान योग्य : किसी जरूरतमंद वृद्ध को वस्त्र, भोजन और फल दान करें।
विशेष - श्रीबृहस्पति मन्दिर में ऋतुफल दान करें। मंगल होगा।

आचार्य राघवकीर्ति गणेश
(ज्योतिष-वास्तुविद् एवं पुराण प्रवक्ता)
प्रमुख महागणपति आध्यात्मिक मिशन
राष्ट्रीय संयोजक भगवन्नाम संकीर्तन मंडल (भस्म)
राष्ट्रीय अध्यक्ष गण सेना (फाउण्डेशन)
आध्यात्मिक जनजागरण एवं प्राणी मात्र के हित संरक्षण, संवर्द्धन हेतु संकल्पित
9755910000,
www.jyotishvastu.com
हमारा एक परामर्श-संवारेगा आपका भविष्य

हर पल, हर तरफ चौकस निगाहें - ताज़ातरीन खबरें
दैनिक राघवकीर्ति
www.raghavkirti.news

सम्पादकीय

वो एक गलती जिसने अमेरिका और इजराइल से न सिर्फ 'जीत' छीन ली, बल्कि दानव बना दिया

जब अमेरिका और इजरायल ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के तहत ईरान पर अपने सबसे बड़े और घातक संयुक्त हमले की शुरुआत की, तो उनका लक्ष्य स्पष्ट था–ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई का खात्मा खामनेई इस हमले में मारे गए रणनीतिक और सैन्य दृष्टिकोण से, वाशिंगटन और तेल अवीव में इसे एक 'ऐतिहासिक जीत' माना जा रहा था डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे दुनिया के सामने एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश किया

लेकिन यह 'जीत' चंद घंटों में ही एक ऐसे रणनीतिक और कूटनीतिक दुःस्वप्न में बदल गई, जिसने न केवल अमेरिका और इजरायल को पूरी दुनिया में अलग-थलग कर दिया, बल्कि उन्हें एक 'दानवी' स्वरूप में भी स्थापित कर दिया वह गलती खामनेई की हत्या नहीं थी, बल्कि दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर में 'शजरेह तैयबेह' प्राथमिक विद्यालय की उन 165 मासूम बच्चियों की सामूहिक हत्या थी, जिनका इस युद्ध से कोई लेना-देना नहीं था

28 फरवरी की सुबह, जब 7 से 12 साल की बच्चियां अपनी कक्षाओं में पढ़ रही थीं, तभी आसमान से मौत बरसी अंतरराष्ट्रीय न्यूज़ एजेंसियों और जांचकर्ताओं (जैसे सीएनएन और अल जज़ीरा) के अनुसार, यह कोई सामान्य चूक या 'कोलैटरल डैमेज' नहीं था रिपोर्टों के मुताबिक, इस स्कूल पर एक के बाद एक कई मिसाइलें दागी गईं (जिसे सैन्य भाषा में 'डबल टैप' या 'ट्रिपल टैप' कहा जाता है) इस हमले में स्कूल की छत ढह गई और 165 से अधिक मासूम बच्चियां, उनके शिक्षक और कुछ माता-पिता मलबे में दफन हो गए अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसे 'ईरान की अपनी खराब मिसाइलों का नतीजा' बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की लेकिन स्वतंत्र जांचों और मलबे से मिले अमेरिकी 'टोमाहॉक' क्रूज़ मिसाइल के टुकड़ों ने सच्चाई को दुनिया के सामने ला दिया सबसे डराने वाला तथ्य यह सामने आया कि इस हमले के लक्ष्यों को चुनने में कथित तौर पर 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (AI) का इस्तेमाल किया गया था, जिसने एक नागरिक स्कूल को सैन्य बेस समझकर पल भर में तबाह कर दिया

खामनेई की हत्या को एक सैन्य या राजनीतिक कार्रवाई मानकर शायद दुनिया का एक बड़ा धड़ा चुप रह जाता, लेकिन मिनाब की घटना ने अमेरिका और इजरायल के उस नैतिक आधार को पूरी तरह नष्ट कर दिया, जिसका वे अक्सर दावा करते हैं इस एक घटना ने वैश्विक कूटनीति के समीकरणों को रातों-रात पलट दिया -

वैश्विक संस्थाओं का तीव्र आक्रोश - संयुक्त राष्ट्र (N) के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने इसे 'बच्चों और शिक्षा पर एक गंभीर व अक्षम्य हमला' करार दिया यूनेस्को ने इसे 'अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन' बताया नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने भी इस हमले की निंदा करते हुए इसे एक ऐसा अपराध कहा जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता

शुभचिंतकों और सहयोगियों का किनारा करना- जो यूरोपीय देश (फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन) और खाड़ी राष्ट्र (सऊदी अरब, यूएई) शुरुआत में इस हमले पर मौन थे या परोक्ष समर्थन दे रहे थे, वे इस नरसंहार की तस्वीरें सामने आते ही पीछे हट गए खून से सने स्कूल बैग्स और मलबे में दबी बच्चियों की तस्वीरों ने पश्चिमी देशों में भी घरेलू राजनीति में भूचाल ला दिया कोई भी वैश्विक नेता अब 'बाल हत्यारों' के साथ खड़ा नहीं दिखना चाहता था

'किसी स्कूल पर हमला और कक्षा में बच्चियों की हत्या इस बात का सबसे ज्वलंत उदाहरण है कि कैसे युद्ध एक झटके में उनका भविष्य चुरा लेता है' – संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ ट्रंप और नेतन्याहू ने सोचा था कि खामनेई के खात्मे से ईरान का हौसला टूट जाएगा और मध्य पूर्व में उनका निर्विवाद वर्चस्व स्थापित हो जाएगा लेकिन मिनाब की घटना ने इस पूरे विमर्श को पलट दिया इस सामूहिक हत्या ने ईरान के भीतर और बाहर, अमेरिका-इजरायल विरोधी भावनाओं को उस चरम पर पहुंचा दिया, जहां किसी भी तरह की शांति वार्ता या समझौते की गुंजाइश खत्म हो गई ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामनेई को अब अपने देशवासियों का वह पूर्ण और उग्र समर्थन प्राप्त है, जो शायद शांति काल में संभव नहीं था ईरान के जो नागरिक अपनी ही सरकार का विरोध कर रहे थे, वे भी विदेशी ताकतों द्वारा अपनी बच्चियों की इस बेरहम हत्या के बाद राष्ट्रवाद की लहर में एकजुट हो गए हैं।

16 अप्रैल : इतिहास के पन्नों में

- 1853 भारत में मुंबई से ठाणे के बीच पहली रेल चली थी।
- 1862 कोलंबिया के जिलों में दासता समाप्त कर दी गई।
- 1890 दुनिया को हंसाने वाले अभिनेता चार्ली चैप्लिन का जन्म हुआ था।
- 1894 मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल क्लब इंग्लैंड में बनाया गया।
- 1922 इटली में रूस और जर्मनी के बीच एक संधि पर हस्ताक्षर किए गए।
- 1933 भारतीय पर्वतारोही अवतार सिंह चीमा का जन्म।
- 1934 भारतीय राजनीतिज्ञ राम नाईक का जन्म।
- 1966 प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बोस का निधन।
- 1978 भारतीय अभिनेत्री लारा दत्ता का जन्म।
- 1980 अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया था।
- 2008 लंदन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण हुआ था।
- 2011 महावीर चक्र विजेता ब्रिगेडियर भवानी सिंह का निधन।

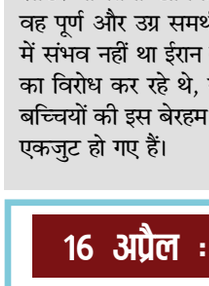

डॉ. प्रेमप्रकाश बोराना
संकलनकर्ता
इतिहासविद्, महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उमावि सराफा, उज्जैन

दैनिक राघवकीर्ति

सत्य के अनेक रूप और एक अनूठा मंचन : टेसरैक्ट

कुछ अनुभव ऐसे होते हैं जो केवल देखे नहीं जाते, भीतर उतर जाते हैं। गए सोमवार मैं अपनी पत्नी के साथ एनसीपीए, मुंबई में एक अद्भुत प्रस्तुति देखने गया - टेसरैक्ट। यह केवल एक मंचन नहीं था, यह एक यात्रा थी। ऐसी यात्रा जिसमें दर्शक केवल दर्शक नहीं रहता, वह स्वयं उस प्रश्न का हिस्सा बन जाता है ङ्क सत्य क्या है? सत्य एक कठिन विषय है। उसे पढ़ना आसान नहीं, समझना उससे भी कठिन। अक्सर जब हम सत्य पर लिखे गए ग्रंथों को पढ़ते हैं, तो वे बौद्धिक स्तर पर तो प्रभावित करते हैं, लेकिन दिल को छूने में कहीं न कहीं चूक जाते हैं। टेसरैक्ट ने इसी असंभव से लगने वाले काम को संभव किया है। टेसरैक्ट का अर्थ होता है एक ऐसा आयाम जो हमारी सामान्य समझ से परे है, जैसे एक चौथे आयाम की आकृति, जिसे हम सीधे नहीं देख सकते पर उसके प्रभाव को महसूस कर सकते हैं। शायद इसी संकेत के साथ यह प्रस्तुति हमें सत्य के उन रूपों से परिचित कराती है जो आंखों से नहीं, अनुभव से समझे जाते हैं। इस प्रस्तुति ने सत्य जैसे अमूर्त विषय को ध्वनि, प्रकाश, संगीत, नृत्य और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस यानी एआई के माध्यम से इस तरह जीवंत किया कि दर्शक एक क्षण के लिए भी अलग नहीं हो पाता।

इस पूरे अनुभव के केंद्र में हैं मीरा जैन, जिनकी दृष्टि और संवेदना ने इस प्रस्तुति को आकार दिया है। उनके साथ समीर जैन का जीवन के प्रति आध्यात्मिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण इस पूरे प्रयास को एक बेमिसाल गहराई देता है। दो वर्ष पहले उनसे मिलने का अवसर मिला था, और तब भी यह महसूस हुआ था कि उनके भीतर केवल व्यावसायिक दृष्टि नहीं, बल्कि जीवन को गहराई से समझने की एक सतत खोज है। टेसरैक्ट उसी खोज का साकार रूप लगता है। इस प्रस्तुति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह किसी एक सत्य को थोपती नहीं, बल्कि दर्शक को स्वयं खोजने के लिए प्रेरित करती है। कभी मंच पर प्रकाश बदलता है, कभी ध्वनि एक नई दिशा लेती है, कभी नृत्य शरीर की सीमाओं को तोड़ता हुआ लगता है और कभी तीन ओर से दर्शकों पर खुलती एआई के संचालित दिखती स्क्रीन पर निरंतर बरस रही महान विभूतियों की सूक्तियां सत्य के नए आयाम खोलती हैं। यह सब मिलकर एक ऐसा अनुभव रचते हैं जिसमें आप केवल देख नहीं रहे होते, आप भीतर कुछ महसूस कर रहे होते हैं।

कई दर्शकों की प्रतिक्रियाओं में एक बात समान थी ङ्क यह प्रस्तुति आपको सोचने पर मजबूर करती है। यह आपको भीतर झांकने के लिए प्रेरित करती है। और शायद यही किसी भी महान कला की पहचान होती है। वह आपको तत्काल उत्तर नहीं देती, वह आपके भीतर प्रश्न जगा देती है। और वही प्रश्न धीरे धीरे आपके जीवन को दिशा देने लगते हैं। टेसरैक्ट का प्रभाव सूक्ष्म है, लेकिन गहरा है। यह आपको जोर से नहीं झकझोरता, बल्कि धीरे से आपके भीतर एक बीज बो देता है। सत्य के प्रति झुकाव का, साहस का, और एक ऐसे जीवन की चाह का जिसमें मनुष्य केवल अपने लिए नहीं, बल्कि व्यापक मानवता के लिए खड़ा हो सके।

आज के समय में जब ध्यान भटकाना आसान है और गहराई में जाना कठिन, ऐसे में इस प्रकार की प्रस्तुति एक दुर्लभ प्रयास है। यह केवल मनोरंजन नहीं, एक आंतरिक अनुभव है। मीरा जैन ने अपने अनुभव, अपनी दृष्टि और अपनी संवेदना को इस शो के माध्यम से साझा किया है। यह केवल एक शो नहीं, एक आमंत्रण है ङ्क स्वयं से मिलने का, सत्य को छूने का, और जीवन को थोड़ा और सच्चाई के साथ जीने का। और शायद यही इस प्रस्तुति की सबसे बड़ी उपलब्धि है ङ्क कि जब आप बाहर निकलते हैं, तो कुछ बदला हुआ महसूस करते हैं, जैसे भीतर कहीं एक नई रोशनी जल गई हो।

खेल-खेल में बहुत कुछ सिखाया जा सकता है

एक कमरा चमकती स्क्रीनों से भरा है। लगातार कोड स्क्रॉल हो रहे हैं, जैसा मैट्रिक्स फिल्म में होता है। पूरा कमरा शीतल नीली रोशनी में नहाया है। टीम कांच का भारी दरवाजा धकेलती है और वह सरसराहट करता हुआ खुल जाता है। ब्रीफिंग के लिए तैयार एक सीनियर एजेंट नए रिक्रूट्स को उनके 'ऑफिशियल इन्वेस्टिगेटर वेस्ट्स' देता है।

एजेंट कमांड देता है, 'टीम, ध्यान से सुनो। शहर के सेंट्रल नेटवर्क में बड़ा डेटा ब्रीच हुआ है। जब हम बात कर रहे हैं तो वहां डार्क वेब पर निजी पहचानें नीलाम हो रही हैं। हमारे पास सोर्स पता लगाने, मालवेयर खत्म करने और वॉल्ट लॉक करने के लिए महज 20 मिनट हैं।' और 'ऑपरेशन डिजिटल शील्ड' शुरू होता है।

जूनियर इन्वेस्टिगेटर्स अपने वर्क-स्टेशनों पर दौड़ते हैं। बाहर से ये महज बटनों को दबाने जैसा लगता है, लेकिन असल में यह टचस्क्रीन के जरिए कोड का अर्थ समझने के लिए एक फिजिकल और मेंटल पजल है। उन्हें 'करप्टेड' फाइल्स को स्कैन करना ही है। वे अजीब से संकेत और ईमेल्स में छिपे अटैचमेंट्स जैसी विसंगतियां ढूंढते हैं।

अचानक स्क्रीन पर एक 'अर्जेंट मैसेज' पॉप-अप होता है- 'आपने फ्री गोल्डन टिकट जीता है। यहां क्लिक करें।' सभी चिल्लाते हैं- 'इसे न छूना, यह एक जाल है।' उन्हें ऐसे ही प्रशिक्षित किया गया है। यह एक फिशिंग ट्रैप था। इसीलिए वे उस संदिग्ध फाइल को डिजिटल क्वारंटाइन जोन में डालते हैं।

जैसे ही फिजिकल खोज शुरू होती है, अचानक अलार्म लाल हो जाते हैं। 'घुसपैठिया लोकल है।' जूनियर इन्वेस्टिगेटर्स को हरकत में आना होगा। वे हाथ में पकड़ने वाले स्कैनर्स का इस्तेमाल करके कमरे में छिपे 'फिजिकल नोड्स' ढूंढते हैं। यह स्कैवेंजर हंट जैसा है, जिसमें पैनल के पीछे छिपे 'इन्फेक्टेड सर्वर' को खोजना है। इसके मिलते ही वे 'कास्परस्की सिक्योरिटी-की' के जरिए क्लीन-अप प्रक्रिया शुरू करते हैं।

अब मेन कंसोल पर लौटते हैं, जहां एक बड़ा प्रोग्रेस बार 'मालवेयर अटैक' आइकन से संघर्षरत है। जूनियर्स साथ मिलकर एक तेज मल्टी-प्लेयर जैसा काम कर रहे हैं। एक जूनियर आने वाले वायरस पैकेट्स को टैप करके 'ब्लॉक' करता है। दूसरा लॉजिक पजल्स हल करके एन्क्रिप्टेड पासवर्ड फिर-से बनाता है। टीम लीडर समन्वय करता है- 'फायरवॉल पर ध्यान दो। एन्क्रिप्शन लेयर में हमें और पावर चाहिए।'

आखिरी क्लिक के साथ स्क्रीन हरी हो जाती है। उनका सिस्टम अब सुरक्षित है। इन्वेस्टिगेटर्स हाथ उठाते हैं, यानी 'मिशन पूरा' हुआ। चोरी हुआ डेटा वापस मिल गया और दूरदराज में बैठा 'हैकर' भी ट्रैक हो गया। इन्वेस्टिगेटर्स खुशी से चिल्लाते हैं। इसलिए नहीं कि उनकी सर्विस के लिए उन्हें 'किडजो' (किडजानिया करेंसी) मिले हैं, बल्कि इसलिए भी कि वे बच्चे हैं और एक सिमुलेशन गेम खेल रहे हैं।

वे किसी असल साइट पर नहीं, मुंबई के एक मॉल में हैं। जाते समय सीनियर एजेंट उन्हें असल दुनिया के लिए आखिरी टिप देता है- 'याद रखना इन्वेस्टिगेटर्स, मजबूत पासवर्ड आपका सबसे बड़ा बचाव है। और जिस लिंक को आपने नहीं मांगा, उस पर कभी भरोसा मत करो।' 20 मिनट के इस मिशन के अंत तक ये 'जूनियर साइबर हीरोज' समझ जाते हैं कि हैकर्स भले तेज हों, लेकिन सही टूल्स के साथ एक बेहतर प्रशिक्षित इन्वेस्टिगेटर उनसे भी तेज होता है।

यह मुम्बई में पिछले माह खुले एक मॉल में स्थित 'किडजानिया' का हिस्सा है, जहां बच्चे वयस्कों की तरह डिजिटल इन्वेस्टिगेटर की भूमिका निभाते हैं। इस गेम में बच्चे तीन सबक सीखते हैं।

1. **फिशिंग स्कैम्स** – फर्जी फ्री-ट्रिप ऑफर या गेमिंग करेंसी गिवअवे जैसे ट्रैप्स पहचानना। निजी जानकारियां चुराने वाले संदिग्ध लिंक व ईमेल पहचानना।
2. **आइडेंटिटी थेफ्ट** – गेम सिखाता है कि डिजिटल पहचान (जैसे घर का पता या फोटो) कितनी आसानी से चोरी हो सकती है और घुसपैठिया कैसे निजी डेटा तक पहुंच सकता है।
3. **साइबरबुलीइंग** – हानिकारक ऑनलाइन व्यवहार को पहचानना और सीखना कि प्राइवेट चैट या सोशल मीडिया पर उत्पीड़न से कैसे निपटा जाए।

आज का मन्त्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
श्रद्धालु यथाशक्ति जप करें एवं लाभ प्राप्त करें।
विशेष परामर्श के लिए सम्पर्क करें।
आचार्य राघवकीर्ति गणेश
मो. 9755910000

।। जय गणेश।।

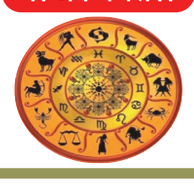

दैनिक राशिफल

मेष : किसी को काम देने से पहले उस काम के बारे में आपको खुद भी जानकारी एकत्रित कर देनी चाहिए।

वृषभ : आप महसूस करेंगे कि आस-पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं।

मिथुन : गृह-प्रवेश के लिए शुभ दिन है। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है।

कर्क : आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमानी दिन गुज़ार सकते हैं, इससे आपका रिश्ता मज़बूत होगा।

सिंह : विचारों से ही मनुष्य की दुनिया बनती है - कोई बेहतरीन किताब पढ़कर आप अपनी विचारधारा को और सशक्त कर सकते हैं।

कन्या : मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। खुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें।

तुला : आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं।

वृश्चिक : आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

धनु : आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है। रोमानी नज़रिए से वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

मकर : आपका प्रिय आज रोमांटिक मूड में होगा। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे।

कुंभ : आप उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे।

मीन : आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। अपने पिता के साथ आज दोस्त की तरह आप बात कर सकते हैं।

✍ **आचार्य राघवकीर्ति 'गणेश'**
(ज्योतिष-वास्तु-यज्ञकर्ता और आध्यात्मिक विषय प्रवर्तक)
9755910000
www.jyotishvastu.com

संभागायुक्त श्री सिंह ने गेहूं खरीदी केंद्र पहुंचकर किसानों से चर्चा की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत गेहूं उपार्जन केंद्रों पर किसानों से गेहूं की खरीदी की जाएगी

संभागायुक्त ने बडऩगर और रतलाम में गेहूं उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया

उज्जैन (राघवकीर्ति)। उज्जैन संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने बुधवार को गेहूं खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने खरीदी केंद्रों पर उपस्थित किसानों से गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया की जानकारी ली। साथ ही किसानों से केंद्रों पर उपलब्ध सुविधा को लेकर भी चर्चा की। मौके पर निरीक्षण के बाद संभागायुक्त श्री सिंह ने गेहूं उपार्जन केंद्रों पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि गेहूं खरीदी के संबंध में समस्त जानकारी संधारित की जाए। यह भी ध्यान रखा जाए कि किसान किसी तरह परेशान नहीं हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में गेहूं उपार्जन केंद्रों के माध्यम से किसानों से गेहूं की खरीदी की जा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार खरीदी केंद्रों पर सभी तरह की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए बुधवार को संभागायुक्त आशीष सिंह ने रतलाम जिले के दौरे के पहले उज्जैन जिले की बडनगर तहसील के ग्राम भेरू पचलाना में गेहूं खरीदी केंद्र पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। संभागायुक्त श्री सिंह ने उपार्जन केंद्र पर गेहूं खरीदी, बारदाना की उपलब्धता और किसानों को दिए जाने वाले टोकन सिस्टम का निरीक्षण कर संबंधित केंद्र प्रभारी से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने केंद्र पर उपस्थित किसानों से भी चर्चा कर गेहूं खरीदी, किसानों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया, खरीदी केंद्रों पर किसानों को दी जा रही सुविधा के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद संभागायुक्त श्री सिंह ने रतलाम जिले के गेहूं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण कर यहां उपस्थित किसानों से सुविधाओं की जानकारी ली। संभागायुक्त श्री सिंह ने बडऩगर और रतलाम के गेहूं उपार्जन केंद्र पर संबंधित एसडीएम और अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में किसानों से की जाने वाली गेहूं खरीदी की समस्त जानकारी संधारित करें। इसके साथ ही सेटेलाइट सर्वे और अन्य सर्वे रिपोर्ट के साथ पंजीकृत किसानों की सत्यापन की जानकारी भी ली जाए।

संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि गेहूं उपार्जन केंद्रों में आने वाले किसानों को सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाएं जैसे बिजली, पीने का पानी, बैठक, छाया, प्रसाधन एवं पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराई जाए। किसी को भी किसी भी प्रकार की प्रक्रियागत या व्यवस्थागत असुविधा का सामना न करना पड़े। किसी भी केन्द्र में किसानों के ट्रैक्टर-ट्राली की लंबी-लंबी कतारें न लगें, सभी किसानों का सहजता से गेहूं तुल जाए, ऐसी व्यवस्थाएं की जाएं। जिन किसानों से गेहूं खरीदा जाए, कम से कम समय में उनके खातों में भुगतान कर देने की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएं। भ्रमण के दौरान बड़नगर में एस. डी. एम और अन्य अधिकारी, रतलाम में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह, एडीएम श्रीमती शालिनी श्रीवास्तव भी साथ रहें।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण किया

किसानों की सुविधा दृष्टिगत प्रत्येक समिति पर चार तौल कांटों की अनिवार्यता सुनिश्चित करें

उपार्जन केंद्रों पर उपार्जन सुबह 8 बजे से शुरू करें

समिति प्रबंधक नरवर और नौगांवा को पदीय दायित्वों में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया

उज्जैन (राघवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट के साथ बुधवार को जिले के गेहूंउपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन केंद्रों पर स्लॉट बुकिंग, छांव, पेयजल, मेडिकल सुविधा, उपार्जन प्रक्रिया आदि व्यवस्थाओं का सूक्ष्म अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक को दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने किसानों की सुविधा के दृष्टिगत उपार्जन कार्य तेजी से करने के लिए उपार्जन सुबह 08 बजे से शुरू करने और प्रत्येक समिति को कम से कम चार तौल कांटों का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने सबसे पहले ग्राम मानपुरा स्थित उपार्जन केंद्र अडानी एग्रो स्टील सायलो का निरीक्षण किया। इसके पश्चात देवास रोड़ स्थित कल्याण एक्सप्रेस वेयरहाउस केंद्रों का निरीक्षण किया।

कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन केंद्र अडानी एग्रो स्टील सायलो केंद्र ग्राम मानपुरा पर गेहूं के परीक्षण की प्रक्रिया देखी। कलेक्टर श्री सिंह ने यहां पर गेहूं में नमी की टेस्टिंग करने वाली मशीन पर सम्बंधित कृषक की फसल का परीक्षण करवाकर गेहूं के नमूने को देखा।

जिले में स्लॉट बुकिंग कर उपार्जन सुव्यस्थित रूप से किया जा रहा है

जिले में उपार्जन केंद्रों पर गेहूं उपार्जन स्लॉट बुकिंग कर सुव्यस्थित रूप से किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान ग्राम निनोरा के कृषक श्री तंवर से चर्चा कर उपार्जन की प्रक्रिया की जानकारी ली। कृषक ने जानकारी दी कि स्लॉट बुकिंग कर उपार्जन केंद्र पहुंचने पर सुगमता से गेहूं उपार्जन हो रहा है।स्लॉट बुकिंग कर निर्धारित समय पर उपार्जन केंद्र पहुंचने पर लंबी लाइन में नहीं लगना पड़ रहा है।उपार्जन केंद्रों पर स्लॉट नंबर दिखाने के बाद कृषकों के गेहूं का लेबोरेट्री में मानकों के परीक्षण उपरांत वजन किया जा रहा है , इसके पश्चात गेहूं को स्टोर किया जाकर कृषकों के भुगतान की प्रक्रिया की जा रही है।

पार्किंग सुव्यवस्थित तरीके से करवाए

कलेक्टर श्री सिंह ने देवास रोड़ स्थित कल्याण एक्सप्रेस वेयरहाउस स्थित उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। कल्याण एक्सप्रेस वेयरहाउस देवास रोड़ पर नरवर और नौगांवा समितियों द्वारा उपार्जन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन केंद्र पर तौल कांटों की संख्या की जानकारी लेकर तौल कांटों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि प्रत्येक समिति के पास कम से कम 4 तौल काटें हो यह सुनिश्चित किया जाए। स्लॉट बुकिंग के सम्बन्ध में समिति प्रबंधकों द्वारा जानकारी दी गई कि समितियों पर आज 29 और 28 किसानों के स्लॉट बुक है, सभी संबंधित कृषकों का उपार्जन आज पूर्ण किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्थित रूप से पार्किंग करवाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।कलेक्टर श्री सिंह ने सुबह 8 बजे से खरीदी केंद्र पर उपार्जन शुरू करने के निर्देश देकर चेतावनी दी कि समय पर उपार्जन शुरू नहीं करने पर निलंबन की कार्यवाही की जाएगी । कलेक्टर श्री सिंह ने कल्याण एक्सप्रेस वेयरहाउस स्थित दोनों उपार्जन समिति प्रबंधकों को पदीय दायित्वों में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात कलेक्टर श्री सिंह ने महिदपुर स्थित कृषि उपज उपमंडी समिति खेड़ा खजुरिया उपार्जन केंद्र का निरीक्षण कर निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के अंत में महिदपुर स्थित ग्रामकों वेयरहाउस में समिति कोसोंन और स्व-सहायता समूह भारत माता उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर भुगतान की प्रक्रिया का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की संवेदनशील सरकार में प्रशासन सभी के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध

कलेक्टर श्री सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्री कूमट ने आंगनवाड़ी बच्चों के साथ बैठकर किया संवाद

उज्जैन (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने आज नवीन भावनात्मक पहल करते हुए जनपद महिदपुर के आंगनवाड़ी केंद्र खेड़ा खजुरिया पहुंचकर बच्चों के साथ समय व्यतीत किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर संवाद किया और उनकी दिनचर्या को समझा। कलेक्टर श्री सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट ने बच्चों से उनके नाम, पढ़ाई, पसंदीदा खेल, रंगों और सपनों के बारे में बातचीत की। मासूम बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ अपनी बातें साझा कीं, जिससे माहौल बेहद आत्मीय और खुशनुमा बन गया। बच्चों की बातों ने सभी का मन मोह लिया।इस दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने बच्चों को स्टेशनरी का वितरण किया और बच्चों को भारत का स्वर्णिम भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास की पहली सीढ़ी है और यहां मिलने वाली शिक्षा व पोषण उनके भविष्य को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की सराहना करते हुए कहा कि वे बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

बच्चों के साथ बिताए गए ये पल कलेक्टर श्री सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्री कूमट के लिए भी भावुक कर देने वाले रहे। इस पहल से न केवल बच्चों में उत्साह बढ़ा, बल्कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मनोबल भी ऊंचा हुआ। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने 2018-19 में निर्मित किए गए आंगनवाड़ी भवन के फर्श में गुणवत्ता की कमी पाए जाने पर जांच के निर्देश एसडीएम महिदपुर राजेश बौरासी को दिए।

ग्राम दंगवाडा में बोरेश्वर महादेव मंदिर के समीप घाट की सफाई की गई

उज्जैन (राघवकीर्ति)। जल गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम के अंतर्गत विकास खण्ड बड़नगर जिला उज्जैन के प्रस्फुटन ग्राम दंगवाड़ा बोरेश्वर महादेव चंबल नदी के घाट की सफाई की गई। यहां सभी को जल संवर्द्धन की शपथ दिलाई गई।

कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा सेवा सहकारी संस्थाओं के गोडाउन का निरीक्षण किया गया

उज्जैन (राघवकीर्ति)। जिले के किसानों को उच्च गुणवत्ता का समय पर उर्वरक प्राप्त हो इस हेतु आज दिनांक 15/04/2026 को जिला नोडल अधिकारी कमलेश कुमार राठौर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सुबोध पाठक, कृषि विस्तार अधिकारी घनश्याम पाटीदार द्वारा उज्जैन विकास खण्ड की सेवा सहकारी संस्था नरवर, सुरजनवासा, हरसोदन, कचनारिया, उज्जैन क़स्बा का भ्रमण सह निरीक्षण किया गया।

जहां भौतिक रूप से उपलब्ध उर्वरक, पोस मशीन, ई टोकन पोर्टल पर उपलब्ध उर्वरक का भौतिक सत्यापन किया गया। साथ ही गोडाउन का सत्यापन किया गया जहां पर उर्वरक भंडारण और ई विकास पोर्टल में कोई अंतर नहीं पाया।

कलेक्टर श्री सिंह ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महिदपुर के छात्र-छात्राओं का बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने पर सम्मान किया

कलेक्टर श्री सिंह ने शासकीय मॉडल स्कूल महिदपुर का निरीक्षण कर शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम पर हर्ष व्यक्त कर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शुभकामनाएं दी

उज्जैन (राघवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट ने बुधवार को शासकीय मॉडल स्कूल महिदपुर का निरीक्षण कर शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम आने पर हर्ष व्यक्त कर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बधाई दी। कलेक्टर श्री सिंह ने विद्यालय भ्रमण के दौरान शाला की कृषि एवं स्वास्थ केयर प्रयोगशाला का शुभारंभ किया। शासकीय मॉडल स्कूल महिदपुर के भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने कक्षा 12वीं में प्रवेश किए छात्रों से संवाद कर उन्हें आगामी बोर्ड परीक्षा की तैयारी अभी से शुरू करने और

पढ़ाई नियमित रूप से करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्री सिंह ने विद्यालय भ्रमण के दौरान बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के छात्र- छात्राओं को सम्मानित भी किया। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा सत्र 2025-26 के लिये घोषित कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम विद्यालय का शत प्रतिशत रहा है। कक्षा 10वीं की परीक्षा में सम्मिलित समस्त 82 छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए जिसमें से 71 प्रथम श्रेणी तथा 11 द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए है। इसी प्रकार विद्यालय में 10 वीं में प्रथम स्थान सुश्री नव्या ने 93.6 प्रतिशत, द्वितीय स्थान सुश्री प्रतिष्ठा ने 93.4 प्रतिशत तथा तृतीय स्थान सुश्री निदा रंगरेज ने 92.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में 78 छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए, जिसमें प्रथम स्थान सुश्री सुमन जोशी ने 89.6 प्रतिशत, द्वितीय स्थान प्रघुमन्न यादव ने 87.2 प्रतिशत तथा तृतीय स्थान संयुक्त रूप से कमल सूर्यवंशी और मुजीबुर्रेहमान ने 85.8 प्रतिशत प्राप्त किए। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की परीक्षा में विशिष्ट प्रदर्शन करने पर स्कूल के प्राचार्य रामेश्वर सोनी, वरिष्ठ शिक्षकगण प्रेमचंद्र परमार, दिलीप अटोलिया, श्रावण परमार, श्रीमती साधना ठोमोर, आनंद पंचोली, श्रीमती नीलम पाण्ड्या, श्रीमती गायत्री यादव, लक्ष्मी मालवीय, गोकुल घुंघरवाल, राजेश परमार, श्रीमती नगमा बी, अकिला सोनी, अभिलाषा जोशी, श्रीमती आशी सूर्यवंशी, श्रीमती शालू पाठक, सुदर्शन शर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए उत्तीर्ण छात्रों को शुभकामनाएं देकर छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

महिदपुर जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेड़ा खजुरिया पर डिलीवरी प्वाइंट शुरू

उज्जैन (राघवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बुधवार दोपहर महिदपुर जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेड़ा खजुरिया का निरीक्षण कर स्वास्थ्य केंद्र पहुंच मार्ग का निर्माण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने मरीजों से चर्चा कर स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदायगी की यथास्थिति की जानकारी लीं।

निरीक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि स्वास्थ्य केंद्र पर सभी आवश्यक स्वास्थ्य जांच, निशुल्क दवा वितरण, टीकाकरण की सुविधा है। जानकारी दी गई कि स्वास्थ्य केंद्र में डिलीवरी प्वाइंट भी शुरू किया गया है।

अब नीम पत्ती का यह देसी जुगाड़ अलमारी से दूर करेगा बदबू

बारिश के मौसम और अधिक नमी के कारण अक्सर अलमारी में बदबू आने लगती है। यह न केवल अलमारी को गंध वाला बना देती है बल्कि कपड़ों में भी अजीब सी स्मेल आ जाती है। हालांकि, इस समस्या का समाधान करने के लिए कई घरेलू नुस्खे अपनाए जाते हैं, लेकिन कभी-कभी इनसे पूर्ण राहत नहीं मिलती। अगर आप भी इसी समस्या से जूझ रही हैं, तो नीम पत्तियों का उपयोग आपके लिए एक बेहतरीन समाधान हो सकता है।

नीम पत्तियों का महत्व

नीम पत्तियों में स्वाभाविक रूप से एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। ये गुण न केवल बैक्टीरिया और फफूंदी को मारने में मदद करते हैं, बल्कि खराब गंध को भी कम करते हैं। नीम पत्तियों का इस्तेमाल अलमारी में गंध को नियंत्रित करने के लिए एक प्रभावी और प्राकृतिक तरीका है।

नीम पत्तियों का उपयोग कैसे करें

नीम पत्तियों को सुखाए : सबसे पहले, नीम पत्तियों को अच्छे से धोकर ठंडे पानी से साफ कर लें ताकि धूल और गंदगी हट जाए। इसके बाद, पत्तियों को छांव में एक साफ कपड़े या बर्तन पर फैला कर सुखाए, ताकि वे पूरी तरह से सूख जाए। जब पत्तिया पूरी तरह सूख जाए, उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। यह प्रक्रिया पत्तियों की प्राकृतिक गुणसूत्रों को बनाए रखती है और उन्हें अलमारी में गंध को दूर करने के लिए तैयार करती है।

पोटली बनाए : नीम पत्तियों को सुखाने के बाद, एक साफ कपड़े की पोटली तैयार करें। इस पोटली में सूखी नीम पत्तियों को भरें, ध्यान दें कि पत्तिया अच्छी तरह से भरी जाए लेकिन पोटली बहुत भरी हुई न हो। अब इस पोटली को अलमारी के विभिन्न हिस्सों में रखें, जैसे कि अलमारी के कोने या कपड़ों के बीच में। नीम की नेचुरल खुशबू धीरे-धीरे फैलकर अलमारी में गंध को कण्ट्रोल करेगी और ताजगी बनाए रखेगी।

पोटली को टांगें : नीम पत्तियों से भरी पोटली को अलमारी के कोनों, ऊपरी रैक, या कपड़ों के बीच में टांग दें। इस पोटली की नीम की सुगंध धीरे-धीरे पूरे अलमारी में फैल जाएगी, जिससे बदबू को कम करने में मदद मिलेगी और आपके कपड़े ताजे महसूस होंगे। नीम की एंटीबैक्टीरियल गुण गंध को समाप्त करने में प्रभावी होंगे और आपकी अलमारी में एक प्राकृतिक ताजगी बनाए रखेंगे।

नीम पत्तियों का उपयोग करें

नीम की पत्तियों को नियमित रूप से बदलें, विशेषकर जब उनकी खुशबू कम हो जाए या पत्तियां फीकी पड़ जाएं। इससे गंध नियंत्रण में रहेगा और अलमारी ताजगी बनी रहेगी। नीम पत्तियों के उपयोग के साथ-साथ, अलमारी की नियमित सफाई भी महत्वपूर्ण है। नमी और धूल को साफ करें और कपड़ों को सही तरीके से व्यवस्थित रखें। कभी-कभी अलमारी को धूप में रखें और अच्छी तरह हवादार स्थान पर रखें। इससे भी नमी कम होगी और गंध की समस्या में राहत मिलेगी। नीम पत्तियों के साथ-साथ, आप प्राकृतिक एयर फ्रेशनर्स का उपयोग भी कर सकती हैं जो कपड़ों को ताजगी प्रदान करते हैं।

नीम पत्तियों का उपयोग एक सरल और प्रभावी तरीका है जो आपकी अलमारी से बदबू को दूर करने में मदद करता है। यह प्राकृतिक उपाय न केवल गंध को कम करता है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। नियमित रूप से नीम पत्तियों का उपयोग और अलमारी की सही देखभाल से आप एक ताजगी भरी और गंधरहित अलमारी प्राप्त कर सकती हैं।

रोजाना सुबह खाली पेट तुलसी का पानी पीने से सेहत के मिलते हैं अनगिनत फायदे

तुलसी का पौधा हर घर में होता है। लेकिन आपको इसके फायदे नहीं पता होंगे। अगर आप तुलसी का पानी पीते तो आपको कई लाभ मिलेंगे। आप तुलसी के पत्तों को पानी में कुछ देर के लिए डाल लें। इसके बाद खाली पेट तुलसी का पानी जरुर पिएं। इससे कई फायदा मिलता है।

हिंदू धर्म में कई सदियों से तुलसी के पौधे की पूजा की जा रही है। धार्मिक कार्यों में तुलसी के पत्तों का प्रयोग भी किया जाता है। तुलसी मे कई औषधीय गुण होते जो बीमारियों के इलाज करने में सक्षम है। अगर तुलसी की पत्तियों का सेवन रोजाना किया जाए तो खासा फायदा होता है। आप तुलसी के पत्तों को पानी में कुछ देर के लिए डाल लें। इसके बाद खाली पेट तुलसी का पानी जरुर पिएं। इससे कई फायदा मिलता है।

तनाव दूर होगा

तुलसी के पत्ते सेहत के लिए बेहद लाभकारी होते हैं। तुलसी की पत्तियों में एडाप्टोजेन्स की अच्छी मात्रा होती हैं जो तनाव के लेवल को कम करता है। तुलसी का पानी पीने से तनाव दूर होता है। यह आपके तंत्रिका तंत्र को आराम देने और ब्लड फ्लो को बढ़ाने में भी मदद करता है। इसके सेवन से इंद्रियों को शांति मिलती और तनाव भी दूर हो जाता है।

पाचन बेहतर रहता है

अगर आप रोजाना खाली पेट तुलसी का पानी पीते हैं, तो आप आसानी से मल त्याग कर सकते हैं। इससे पाचन भी बेहतर रहता है। बता दें कि तुलसी एसिड रिफ्लक्स को संतुलित करता है और पीएच लेवल को बनाए रखता है। पाचन स्वस्थ भी बढ़िया रहती है।

सांसों की बदबू दूर होती

तुलसी में एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं। यह सांसों की दुर्गंध मिटाते हैं। अगर आप सुबह-सुबह खाली पेट तुलसी का पानी पीते हैं तो आपका मुंह एकदम फ्रेश रहता है।

इम्यूनिटी बूस्ट करता है

तुलसी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है और इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण भी पाए जाते हैं। जिस वजह से यह आपके शरीर के अलग-अलग रोगों से बचा सकती है। यह बैक्टीरिया और वायरस से लड़ता है। इसके साथ ही हेल्दी इम्यूनिटी की कोशिकाओं के निर्माण को बढ़ावा देता है।

वजन कंट्रोल करता है

जैसा कि ऊपर बताया कि तुलसी पाचन में मदद करती है और आपके शरीर से टॉक्सिंस को भी बाहर निकालता है। जो व्यक्ति रोजाना तुलसी का पानी पीता है तो इससे शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। इससे आपका वजन भी कम होगा।

दिनभर लैपटॉप पर करते हैं काम तो डेली रूटीन में शामिल करें ये योगासन, आंखें रहेंगी हेल्दी

पूरा दिन कंप्यूटर पर काम करने से आंखों पर इसका असर पड़ता है। ऐसे में आंखें कमजोर होती हैं और चश्मा लग जाता है। इसलिए आप आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आप डेली रूटीन में कुछ योगासन कर सकते हैं।

आंखें हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है। आज के समय में बहुत सारे लोग दिन भर कंप्यूटर और लैपटॉप पर काम करते हैं और इसके साथ फोन भी चलाते हैं। जिसके कारण स्क्रीन टाइमिंग काफी लंबी हो जाती है और इसका सीधा असर हमारी आंखों पर पड़ता है। ऐसे में आंखें कमजोर होती हैं और चश्मा लग जाता है। इसलिए आप आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आप डेली रूटीन में कुछ योगासन कर सकते हैं। इन योगासन को करने से न सिर्फ आप शारीरिक और मानसिक तौर पर फिट रहेंगे, बल्कि आपकी आंखों को रोशनी भी बनी रहेगी।

सर्वांगासन

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आप अपनी डेली रूटीन में सर्वांगासन शामिल कर सकते हैं। इस योगासन का नियमित रूप से अभ्यास करने से सिर की और ब्लड सर्कुलेशन होता है, जिससे आंखों को फायदा मिलता है और स्ट्रेस भी दूर होता है। इसके अलावा भी सर्वांगासन करने के अन्य कई फायदे होते हैं।

शीर्षासन

आंखों को हेल्दी रखने में शीर्षासन भी काफी लाभकारी माना जाता है। इस योगासन को रोजाना करने से ब्रेन, त्वचा और बालों को भी फायदा मिलता है। हालांकि यह योगासन थोड़ा सा कठिन है और इसके लिए आपको अभ्यास करना पड़ेगा। इससे शरीर का संतुलन भी बनता है और श्वसन तंत्र को भी फायदा मिलता है।

भ्रामरी

प्राणायाम

आंखों की रोशनी को अच्छा रखने के लिए आप रोजाना भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कर सकते हैं। भ्रामरी प्राणायाम का नियमित अभ्यास करने से एंग्जायटी और स्ट्रेस दूर होता है और दिमाग को रिलैक्स दिलाने में मदद करता है। इस प्राणायम को करने से एकाग्रता बढ़ती है और दिल को भी फायदा मिलता है। इसको करने से सिरदर्द, माइग्रेन से छुटकारा मिलने के साथ नींद के पैटर्न में सुधार होता है।

20-20-20 रूल

अगर आप भी पूरा दिन लैपटॉप या कंप्यूचर पर काम करते हैं, तो योगासन के अभ्यास के साथ आप आंखों को हेल्दी रखने के लिए 20-20-20 रूल को फॉलो कर सकते हैं। इसके लिए आपको हर 20 मिनट के बाद 20 फुट की दूरी पर रखी चीज को 20 सेकेंड तक एकटक देखना है। इससे आपकी आंखों को रिलैक्स मिलेगा।

इसके अलावा आंखों को रिलैक्स करने के और हेल्दी रखने के लिए काम के बीच में आंखों पर पामिंग कर सकते हैं। इसके लिए हथेलियों को आपस में रब करें और गर्माहट होने पर हथेलियों को आंखों के ऊपर रखें। इस प्रोसेस को 2-4 बार दोहराने से काफा आराम मिलता है।

ग्लोइंग त्वचा के लिए घर पर बनाएं ये 4 मुल्तानी मिट्टी का मास्क, जानें इसके फायदे

अगर आप भी ग्लोइंग त्वचा पाना चाहते हैं तो आप भी मुल्तानी मिट्टी से बने हुए यह मास्क घर पर जरुर बनाएं। यह मास्क ग्लोइंग स्किन के साथ-साथ चेहरे की गंदगी को भी गहराई से साफ करते हैं। मुल्तानी मिट्टी मास्क लगाने से स्किन को कई जबरदस्त फायदे देखने को मिलते हैं।

त्वचा के लिए असंख्य लाभों के कारण त्वचा की देखभाल में मिट्टी के मास्क का उपयोग सदियों से किया जाता रहा है। मुल्तानी मिट्टी मास्क एक लोकप्रिय त्वचा देखभाल उपचार है जो त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार के लिए खनिज युक्त मिट्टी के प्राकृतिक लाभों का उपयोग करता है। अक्सर मिट्टी के जमाव से प्राप्त, ये मास्क मैग्नीशियम, कैल्शियम और पोटेशियम जैसे खनिजों से भरे होते हैं, जो त्वचा पर विभिन्न चिकित्सीय प्रभाव प्रदान कर सकते हैं।

मुल्तानी मिट्टी मास्क के लाभ

गहरी सफाई करता

मिट्टी के मास्क अपने अवशोषक गुणों के कारण त्वचा से अशुद्धियों और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यह गहरी सफाई प्रभाव बंद छिद्रों को साफ़ करने और मुँहासे को कम करने में मदद कर सकता है।

एक्सफोलिएट करता

कई मिट्टी की प्राकृतिक बनावट कोमल एक्सफोलिएशन प्रदान करती है, मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाती है और त्वचा को चिकना और चमकदार बनाती है।

त्वचा को टाइट रखता है

मड मास्क त्वचा को कसने और मजबूत बनाने, छिद्रों की उपस्थिति को कम करने और अधिक युवा लुक देने में मदद कर सकता है।

स्किन को डिटॉक्स करता

मिट्टी में मौजूद खनिज अतिरिक्त तेल और अशुद्धियों को बाहर निकालकर त्वचा को विषहरण करने में मदद कर सकते हैं, जिससे वे तैलीय और मुँहासे-प्रवण त्वचा के प्रकारों के लिए फायदेमंद बन जाते हैं।

सुखदायक और शांत

कई मिट्टी के मास्क में प्राकृतिक सूजन-रोधी गुण होते हैं जो चिढ़ या सूजन वाली त्वचा को शांत कर सकते हैं, जिससे वे संवेदनशील त्वचा के प्रकारों के लिए भी उपयुक्त हो जाते हैं।

ये 4 मुल्तानी मास्क

साधारण क्ले मास्क

सामग्री:

-2 बड़े चम्मच बेंटोनाइट क्ले या हरी मिट्टी

-2 बड़े चम्मच पानी या सेब का सिरका

बनाने का तरीका

- मिट्टी को पानी या सेब के सिरके के साथ तब तक मिलाएं जब तक आपको एक चिकना पेस्ट न मिल जाए।
- अपने चेहरे पर लगाएं और लगभग 10-15 मिनट तक लगा रहने दें।
- गर्म पानी से धो लें और अपने चेहरे को थपथपाकर सुखा लें।

क्ले और शहद का मास्क

सामग्री

- 2 बड़े चम्मच क्ले
- 1 बड़ा चम्मच शहद

बनाने का तरीका

- क्ले को शहद का साथ मिक्स कर लें।
- अपने चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें।
- गर्म पानी से धो लें और फिर मॉइस्चराइजर लगा लें।

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा मास्क

सामग्री

- 2 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी
- 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल

बनाने का तरीका

- मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा जेल को मिलाकर एक चिकना पेस्ट बना लें।
- अपने चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट तक लगा रहने दें।
- गुनगुने पानी से धो लें।

मुल्तानी मिट्टी और दही का मास्क

- 2 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी
- 1 चम्मच दही

बनाने का तरीका

- मुल्तानी मिट्टी को दही के साथ तब तक मिलाएं जब तक आपको एक मलाईदार स्थिरता न मिल जाए।
- अपने चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें।
- गर्म पानी से धो लें और थपथपा कर सुखा लें।

यह मास्क त्वचा की विभिन्न समस्याओं में मदद करते हैं, लेकिन किसी भी एलर्जी या संवेदनशीलता की जांच के लिए पहले पैच टेस्ट करना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की योजनाओं की समीक्षा

किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों को निर्बाध रूप से सस्ती बिजली सुलभ कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इस काम केलिए सरकार किसानों को हर जरूरी मदद देने को तैयार है। किसानों को सस्ती बिजली मिलेगी, तो वे अपना उत्पादन भी बढ़ा सकेंगे और प्रदेश की प्रगति में भी योगदान दे सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप ऊर्जा प्राप्ति के लिए उन्हें स्वयं ऊर्जा उत्पादक बनाया जाए। इसके लिए किसानों को हरित ऊर्जा उत्पादन से जोड़ा जाए।

ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाकर ही हम किसानों का जीवन स्तर बेहतर बना सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों को सोलर पम्प का उपयोग करने के लिए हर तरीके से प्रोत्साहित किया जाए। किसानों को जो इससे जुड़ना चाहते हैं, विभाग उनका हरसंभव सहयोग और मार्गदर्शन भी करे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की प्रचलित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि राज्य के हित में किसानों और नागरिकों सभी को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के लिए समर्पित और फोकस्ड होकर आगे बढ़ें। किसानों को सोलर पम्प से जोड़ने के साथ-साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की प्रगति में भी तेजी लाएं।

उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 2 लाख से अधिक किसानों को सोलर पम्प से जोड़ने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ें। विभाग अपनी योजनाओं के वार्षिक लक्ष्यों की समीक्षा करें और नई जरूरतों के मुताबिक इन लक्ष्यों में वृद्धि करें, ताकि कम समय में अधिकतम लोगों को लाभ मिले। इसके लिए विभाग अपनी योजनाओं को टाइम फ्रेम में लेकर आएं और तय समय सीमा में ही लक्ष्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। इससे तेज और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

निकाय पदाधिकारियों के साथ भोपाल में होगा एक दिन का उन्मुखीकरण कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी नगरीयनिकाय कचरा बेचकर और प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना (रूफ टॉप स्कीम) में तेजी से प्रगति लाकर अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं। नगरीय निकायों के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को इस विषय में प्रशिक्षण देने के लिए भोपाल में एक दिन का उन्मुखीकरण कार्यक्रम किया जाए। यह कार्यक्रम जल्दी ही किया जाए, ताकि निकायों को काम करने के लिए अधिकतम समय मिल सके।

किसानों को सोलर पम्प उपयोग के लिए करें प्रोत्साहित

योजनाओं को समयबद्ध कर लाएं परिणाम

किसानों को ऊर्जा उत्पादन से जोड़ने के लिए संभाग एवं जिला स्तर पर हों कार्यक्रम

राज्य के ऊर्जा हितों का रखें विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्तरप्रदेश सरकार के साथ मिलकर मुरैना में 2 हजार मेगावॉट (2 गीगावॉट) की अल्ट्रा मेगा रिन्यूएबल एनर्जी पावर पार्क की स्थापना की प्रगति की जानकारी लेकर कहा कि इस मेगा परियोजना में राज्य के ऊर्जा हितों का विशेष ध्यान रखा जाए। अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा मात्र पीक पीरियड में ही ग्रीन एनर्जी सप्लाय की मंशा व्यक्त की गई है। इस संबंध में उत्तरप्रदेश सरकार के वरिष्ठतम विभागीय अधिकारियों के साथ समुचित समन्वय किया जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव श्री श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) प्रोडक्शन के लिए तय किए गए लक्ष्यों को और भी परिशोधित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना (कुसुम बी) में अब तक 27 हजार 100 सोलर पम्प स्थापित किए जा चुके हैं। अगले दो साल में 4 लाख पम्पों को सौर ऊर्जीकृत करने का लक्ष्य है। इसके क्रियान्वयन के लिए विभाग ने 36 इकाईयां चुन ली हैं। इस योजना के पहले चरण में विभाग को एक लाख आवेदन मिल चुके हैं। अपर मुख्य सचिव श्री श्रीवास्तव ने बताया कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना (कुसुम सी) के तहत विभाग ने लगभग 10 लाख किसानों को सौर ऊर्जीकरण से जुड़ने के लिए 493 सब स्टेशनों के जरिए किसानों को दिन के समय भी बिजली उपलब्ध कराने का बड़ा लक्ष्य लिया है। अब तक 2.50 लाख पम्प इंस्टाल कर दिये गये हैं। विभाग का लक्ष्य किसानों को ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से समर्थ बनाना भी है। सौर ऊर्जीकरण के लिए विभाग ने मासिक प्लान भी तैयार कर लिया है। रूफ टॉप स्कीम पर विभाग ने विशेष ध्यान केन्द्रित किया है।

बैठक में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (ऊर्जा एवं मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, वित्त सचिव लोकेश जाटव, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक अमनवीर सिंह बैस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने घोषित किए 10 और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम, बेटियां रहीं अव्वल

उत्कृष्ट गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से रोशन हो रहा प्रदेश का भविष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बोर्ड परीक्षा हम सभी के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होती है। बोर्ड परीक्षा के परिणाम ही हमारे भविष्य की दिशा तय करते हैं। मध्यप्रदेश में दी जा रही उत्कृष्ट शिक्षा से हमारे विद्यार्थियों का भविष्य दिनों दिन रौशन हो रहा है। मुख्यमंत्री डा. यादव ने बुधवार को संवाद भवन (मुख्यमंत्री निवास) में माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल द्वारा ली गई कक्षा 10वीं, 12वीं एवं विद्यालय पूर्व शिक्षा में डिप्लोमा (डीपीएसई) मुख्य परीक्षा- 2026 के परिणाम घोषित किए।

वर्ष 2026 में कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम 73.42 प्रतिशत एवं कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम 76.01 प्रतिशत रहा। शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों ने इस बार अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम इस बार बीते 16 वर्षों में सर्वश्रेष्ठ रहा है। पिछले वर्ष भी शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों ने ही बोर्ड परीक्षा में कीर्तिमान गढ़ा था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने शासकीय विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर किया है, जिससे हमारे शासकीय स्कूल 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में निजी स्कूलों के परिणामों से आगे निकल रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फरवरी से मार्च के बीच कक्षा 10वीं की परीक्षा हुई, जिसमें 8 लाख 97 हजार विद्यार्थी शामिल हुए। हाईस्कूल परीक्षा में 73.42 प्रतिशत विद्यार्थियों को सफलता मिली है। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले 69.31 प्रतिशत छात्र और 77.52 प्रतिशत छात्राएं उत्तीर्ण हुई हैं। शासकीय स्कूलों का परीक्षा परिणाम 76.80 प्रतिशत और प्राइवेट स्कूलों का 68.84 प्रतिशत रहा है। दोनों में 8 प्रतिशत का अंतर है। यह सांदीपनि विद्यालयों के अनुकूल वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था का परिणाम है। हाईस्कूल की मेरिट में 378 विद्यार्थियों ने अपना स्थान बनाया है, जिसमें 235 छात्राएं और 143 छात्र हैं। प्राइवेट स्कूलों में भी हमारी बेटियों ने ही बेटों से अधिक अंक हासिल किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय जिले अनूपपुर के 93.85 प्रतिशत विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में सफलता मिली है। अनूपपुर जिला सबसे आगे रहा है। अलीराजपुर जिला 92.14 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा है। हाईस्कूल परीक्षा में पन्ना जिले के सरस्वती ज्ञान मंदिर हाई स्कूल, गुनौर की छात्रा कु. प्रतिभा सिंह सोलंकी ने प्रथम स्थान हासिल किया है। इन्हें कुल 500 परीक्षांक में से 499 अंक मिले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभा के रूप में पन्ना जिले से एक और हीरा निकला है। मुख्यमंत्री ने कु. प्रतिभा को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि हायर सेकेंड्री में कक्षा 12वीं की परीक्षा 10 फरवरी से 7 मार्च के बीच हुई, जिसमें 6 लाख 89 हजार 746 विद्यार्थी शामिल हुए। इस वर्ष 12वीं का परीक्षा परिणाम 76.01 प्रतिशत रहा है, जो बीते 16 साल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस वर्ष 72.39 प्रतिशत छात्र और 79.41 छात्राओं को सफलता मिली है। यहां भी बेटियों ने ही फिर बाजी मारी है। शासकीय स्कूलों का परीक्षा परिणाम निजी स्कूलों से बेहतर रहा है। हायर सेकेंड्री बोर्ड परीक्षा में शासकीय स्कूलों के 80.43 प्रतिशत और प्राइवेट स्कूलों के 69.67 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए हैं। इससे शासकीय और प्राइवेट स्कूल की पढ़ाई का अंतर साफ नजर आ रहा है। इस वर्ष हायर सेकेंड्री परीक्षा में 221 विद्यार्थियों ने जगह बनाई है। इसमें 158 छात्राएं और 63 छात्र हैं। सर्वाधिक सफलता वाले जिलों में झाबुआ 93.23 प्रतिशत परिणाम के साथ पहले स्थान पर है और अनूपपुर जिला 93.04 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि कक्षा 12वीं बोर्ड में शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल की वाणिज्य संकाय की छात्रा कु. खुशी राय एवं अशासकीय गुरूदेव शिक्षा केन्द्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नीलबड़, भोपाल की छात्रा कुमारी चांदनी विश्वकर्मा ने कुल 500 अंकों में से 494 अंक हासिल कर संयुक्त रुप से टॉप किया है। कक्षा 12वीं में राजधानी भोपाल का दबदबा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बोर्ड कक्षाओं में उत्तीर्ण सभी बेटे-बेटियों को बधाई देते हुए कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए मेहनत जरूरी है और आप सबने यह कर दिखाया। विद्यार्थी जो उत्तीर्ण नहीं हो पाये, वे निराश न हों, यह सिर्फ एक स्कूल की परीक्षा है, जीवन का अंतिम पड़ाव नहीं। आगे और अधिक मेहनत और लगन से तैयारी करेंगे, तो निश्चित ही सफलता मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को दूसरा अवसर भी दिया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में बच्चों का साल बचाने के लिए बोर्ड की 'द्वितीय अवसर परीक्षा' अगले माह 7 मई से शुरू होने जा रही है। इसमें हाईस्कूल और हायर सेकेंड्री के उन बच्चों को अवसर मिलेगा, जो किसी कारण से असफल हो गए। आज का परीक्षा परिणाम स्वर्णिम मध्यप्रदेश की नई तस्वीर पेश कर रहा है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जो इस सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है। यह भी एक सुखद संयोग है कि जनजातीय बहुल आबादी वाले जिलों के बच्चों ने बोर्ड परीक्षा परिणाम में उच्च स्थान हासिल किया है। उनकी क्षमता योग्यता में कोई कमी नहीं है। उनकी प्रतिभा ने आसमान को छुआ है। प्रदेश की बेटियों ने बोर्ड परीक्षा परिणाम में छात्रों को पीछे छोड़ते हुए अपना दबदबा कायम रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी उत्तीर्ण बेटे-बेटियों को बधाई देते हुए कहा कि बेटों और मेहनत करने की जरूरत है क्योंकि इस वर्ष भी मेरिट में भी बेटियां हीं सबसे आगे हैं। यह 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान का सुखद परिणाम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष पूरक परीक्षा परिणामों की घोषणा नहीं की गई है, क्योंकि हम बच्चों को दूसरा अवसर देने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बिना किसी बाधा के बोर्ड परीक्षाएं पूर्ण करने के लिए प्रदेश के सभी शिक्षकगणों, बोर्ड के अधिकारियों और विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी बधाई दी।

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाओं में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश देश का इकलौता राज्य है, जहां किसी कारण से असफल होने पर या किसी अपरिहार्य कारण से परीक्षा देने से वंचित रह गए छात्र-छात्राओं को सभी विषयों में दोबारा परीक्षा में बैठने का अवसर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों और मैदानी अमले ने पूरी पारदर्शिता के साथ बोर्ड परीक्षा कराई और मात्र 45 दिन में परिणाम भी तैयार कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश के ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में अच्छे परिणाम हासिल किए हैं। यह हमारी सरकार की शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने का पुरस्कार है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में एमपी बोर्ड द्वारा आयोजित हायर सेकेंड्री परीक्षा में 6 लाख 89 हजार 746 और हाईस्कूल परीक्षा में 8 लाख 97 हजार 61 विद्यार्थियों शामिल हुए। इस प्रकार 15 लाख 86 हजार से अधिक परीक्षार्थी शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा में सांदीपनि विद्यालयों के विकास कार्यों एवं प्रस्तावों की समीक्षा की

भोपाल (राघवकीर्ति)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में रीवा जिले में संचालित एवं प्रस्तावित सांदीपनि विद्यालयों के विकास कार्यों एवं प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सांदीपनि विद्यालय (पीके कन्या) रीवा में प्रस्तावित विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक एवं तकनीकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने वित्त सचिव लोकेश जाटव से चर्चा कर प्रस्ताव पर आवश्यक वित्तीय स्वीकृति के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के सगरा एवं पांडे टोला में प्रस्तावित सांदीपनि विद्यालयों की स्वीकृति के लिए की जा रही कार्यवाही की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि दोनों स्थलों के लिए निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के लिए भेज दिए गए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वीकृति मिलते ही आवश्यक अधोसंरचना विकास कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएं, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में प्रमुख सचिव, स्कूल शिक्षा संजय गोयल सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संघर्ष से संवरती जिंदगी - सुलोचना परिहार ने समाज में बनाई अपनी पहचान

भोपाल (राघवकीर्ति)। कभी खुशहाल पारिवारिक जीवन जी रही बालाघाट की सुलोचना परिहार के जीवन में अचानक ऐसा दौर आया, जिसने सब कुछ बदल कर रख दिया। कोरोना महामारी के दौरान पति के निधन ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया। एक ओर जीवनसाथी का बिछोह और दूसरी ओर परिवार की जिम्मेदारी–ऐसे कठिन समय में कई लोग टूट जाते हैं, लेकिन सुलोचना ने हार मानने के बजाय संघर्ष का रास्ता चुना। सुलोचना परिहार पहले अपने पति के साथ साधारण लेकिन संतोषपूर्ण जीवन जी रही थीं। पति छोटा व्यवसाय करते थे और सुलोचना सिलाई का काम कर परिवार की आय में सहयोग देती थीं। लेकिन कोविड काल में पति के निधन के बाद पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। बेटे की पढ़ाई, घर का खर्च और भविष्य की चिंता–सब कुछ एक साथ सामने मुसीबत बन कर खड़ी हो गई थी। ऐसे हालात में सुलोचना का हुनर ही उनका सबसे बड़ा सहारा बना। उन्होंने अपने सिलाई के काम को ही आगे बढ़ाने का निर्णय लिया और बालाघाट की मार्डीकर गली वार्ड नंबर -22 में श्रद्धा बुटिक के नाम से एक बुटिक की शुरुआत की। धीरे-धीरे उनका यह छोटा प्रयास एक सफल उद्यम में बदल गया। आज उनके बुटिक में 11 जरूरतमंद महिलाओं को रोजगार मिला हुआ है।

सुलोचना सिर्फ खुद के लिए नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन को भी संवारने का काम कर रही हैं। उनके बुटिक में काम करने वाली महिलाएं गरीब परिवारों से आती हैं। सुलोचना उन्हें 40 प्रतिशत कमीशन देती हैं, जिससे उनकी आय भी सम्मानजनक बनती है। अपनी मेहनत से ये घर एवं बच्चों की पढ़ाई का खर्च और मकान का किराया दे रही हैं।

सुलोचना बताती हैं कि उन्होंने जीवन की कठिनाइयों को बहुत करीब से देखा है, इसलिए वह अपने साथ काम करने वाली महिलाओं की जरूरतों और संघर्ष को समझती हैं। यही संवेदनशीलता उन्हें एक सफल उद्यमी के साथ एक सशक्त और मानवीय व्यक्तित्व बनाती है।

सुलोचना परिहार अपने बुटिक से हर माह लगभग 50 से 60 हजार रुपए की शुद्ध आय अर्जित कर रही हैं। वह ब्लाउज, लहंगा, सलवार सूट, फ्रॉक और डिजाइनर ड्रेस तैयार कर अपनी पहचान बना चुकी हैं। उन्होंने समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर के साथ पीजीडीसीए की पढ़ाई भी की है। अपने बेटे की शिक्षा को लेकर भी सुलोचना बेहद सजग हैं।

मोहना औद्योगिक क्षेत्र, स्टोन पार्क व रंग मिल इंडस्ट्रियल एरिया के विकास की हुई समीक्षा

औद्योगिक प्रयोजन के लिये जमीन आवंटन में कदापि देरी न हो : कलेक्टर

निवेश के लिये अनुकूल वातावरण व जमीन उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता

ग्वालियर (राघवकीर्ति)। औद्योगिक प्रयोजन के लिये भूमि अधिग्रहण (भू-अर्जन) और सरकारी जमीन के आवंटन का कार्य समय-सीमा में पूर्ण करें। साथ ही पूरी प्रक्रिया के दौरान विधिक प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करें, जिससे भविष्य में औद्योगिक विकास में कोई कानूनी अड़चन न आए। इसके लिये एमपीआईडीसी (मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) एवं संबंधित राजस्व अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर काम करें। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के औद्योगिक क्षेत्रों के विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान दिए।

बुधवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में एमपीआईडीसी द्वारा विकसित किए जा रहे मोहना औद्योगिक क्षेत्र, स्टोन पार्क व रंग मिल इंडस्ट्रीयल एरिया की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप औद्योगिक निवेश के लिये अनुकूल वातावरण का निर्माण और जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि किसी भी औद्योगिक क्षेत्र में कोई समस्या हो तो उसे तत्काल ध्यान में लाएं। बैठक में एमपी आईडीसी ग्वालियर की कार्यकारी निदेशक श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव, एसडीएम एवं भू-अर्जन अधिकारी सूर्यकांत त्रिपाठी, लोक निर्माण विभाग, सेतु संभाग के कार्यपालन यंत्री सहित औद्योगिक विकास निगम व राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

लगभग 210 हैक्टेयर में विकसित हो रहा है मोहना औद्योगिक क्षेत्र

राज्य सरकार द्वारा मोहना में 210 हैक्टेयर से अधिक रकबे में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। यहां पर अधोसंरचना के विकास के लिये सरकार द्वारा लगभग 140 करोड़ रुपए की धनराशि मंजूर की गई है। मोहना में 162 औद्योगिक प्लॉट्स विकसित किए जा रहे हैं।

देश के चुनिंदा औद्योगिक क्षेत्र में शामिल होगा मोहना, बनेगा प्लग-एण्ड-प्ले इंडस्ट्रियल पार्क

राज्य सरकार की उद्योग फ्रेंडली नीति की बदौलत ग्वालियर जिले को औद्योगिक विकास के क्षेत्र में बड़ी खुशखबरी मिलने जा रही है। देश के चुनिंदा औद्योगिक क्षेत्रों में ग्वालियर जिले का मोहना औद्योगिक क्षेत्र भी शामिल होगा। भारत सरकार की भारत औद्योगिक विकास योजना के तहत मोहना औद्योगिक क्षेत्र को विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस योजना के तहत मैन्युफैक्चरिंग से होने वाली ग्रोथ को तेज करने के लिये इंडस्ट्रियल ईको सिस्टम को मजबूती देकर प्लग एण्ड प्ले इंडस्ट्रियल पार्क बनाया जायेगा। जिसमें विश्व स्तरीय औद्योगिक ढांचा तैयार होगा। योजना के तहत वैल्यू एडेड = फैक्ट्री शेड, वेयर हाउस व टेस्टिंग लैब, 100 से 1000 एकड़ तक के इंडस्ट्रियल पार्क के लिये वित्तीय सहायता, कनेक्टिविटी, क्लस्टर आधारित विकास व सप्लाई चैन मजबूत की जाती है। इससे एमएसएमई, बड़ी इंडस्ट्रीज, वर्कर्स और स्थानीय समुदाय को बड़ा फायदा होगा।

स्टोन पार्क से हटाए जायेंगे अतिक्रमण

स्टोन पार्क के विकास व व्यवसाय में बाधा बन रहे अतिक्रमण हटाए जायेंगे। इस दिशा में अतिक्रमणकारियों को एमपीआईडीसी द्वारा नोटिस जारी कर दिए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने समीक्षा बैठक में कहा कि विधिक प्रक्रिया का पालन कर जिला प्रशासन द्वारा जल्द ही स्टोन पार्क से अतिक्रमण हटवाए जायेंगे। खासतौर पर स्टोन पार्क की सड़क और हस्तशिल्प विभाग को आवंटित जमीन पर किए गए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जायेगी।

रंग मिल इंडस्ट्रियल एरिया के विकास पर भी हुई चर्चा

शिक्षा नगर के पीछे रेसकोर्स रोड से जोड़ने वाले मार्ग के समीप स्थित रंग मिल इंडस्ट्रियल एरिया के विकास से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा भी बैठक में की गई। जिनमें औद्योगिक क्षेत्र के लिये आसान कनेक्टिविटी व एक नए पुल के निर्माण के प्रस्ताव शामिल हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी सहित ऐसी औद्योगिक इकाईयों को यहां निवेश के लिये आमंत्रित करें, जिससे क्षेत्रीय लोगों को अधिक से अधिक रोजगार मिले और इस क्षेत्र के विकास को बढ़ावा मिले।

जनगणना-2027 ग्वालियर जिले में आज से शुरू होगी स्व-गणना

पहली बार स्व-गणना, 34 बिंदुओं में स्वयं ऑनलाइन जानकारी भरने की सुविधा

प्रगणकों एवं सुपरवाइजर्स का प्रशिक्षण शुरू

ग्वालियर (राघवकीर्ति)। ग्वालियर जिले में भी विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक कार्यों में शामिल भारत की जनगणना की तैयारियां निर्धारित कार्यक्रम के तहत जारी हैं। ग्वालियर जिले के नागरिकों को स्व-गणना का अवसर मिला है। एसई वेब पोर्टल (http://se.census.gov.in) के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में कोई भी व्यक्ति जनगणना संबंधी 34 बिंदुओं में अपनी जानकारी स्वयं भर सकता है। ग्वालियर जिले में गुरुवार 16 अप्रैल से स्व-गणना शुरू होगी। जिले में चल रहीं जनगणना की तैयारियों के सिलसिले में बुधवार 15 अप्रैल से प्रगणकों एवं सुपरवाइजर का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ।

तीन चरणों में सभी प्रगणकों व सुपरवाइजर का प्रशिक्षण पूर्ण होगा। बुधवार को ग्वालियर नगर निगम क्षेत्र के प्रगणकों और सुपरवाइजर का प्रथम चरण प्रशिक्षण आईआईटीटीएम व शिक्षानगर स्कूल में शुरू हुआ। इसी तरह डबरा के आईआईपीएस स्कूल, चीनोर में ज्ञान सरोवर स्कूल एवं भितरवार के मॉडल स्कूल सहित जिले में अन्य स्थानों पर यह प्रशिक्षण शुरू हुआ। मास्टर ट्रेनर श्री एस बी ओझा ने बताया कि प्रथम चरण का प्रशिक्षण 15 से 17 अप्रैल, द्वितीय चरण में 19 से 21 अप्रैल एवं तृतीय चरण में 23 से 25 अप्रैल तक प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन तीनों चरण के माध्यम से शतप्रतिशत प्रगणक व सुपरवाइजर प्रशिक्षित होंगे।

बेझिझक दें सही-सही जानकारी, पूरी गोपनीयता रहेगी और साक्ष्य के रूप में मान्य नहीं होगी

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिलेवासियों से भी अपील की कि जनगणना के लिये आने वाले प्रगणकों को बेझिझक सही-सही जानकारी दें। आपके द्वारा दी गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय रहेगी। साथ ही ऐसा स्पष्ट प्रावधान है कि आपके द्वारा दी गई जानकारी का उपयोग साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं होगा। कलेक्टर ने कहा कि जनगणना के आंकड़े कल्याणकारी योजनाओं, संसाधनों के वितरण तथा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन कार्य के लिये आधार बनते हैं।

जिले में लगभग 6 हजार अधिकारी-कर्मचारी करेंगे जनगणना

ग्वालियर जिले में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान के नेतृत्व में लगभग 6 हजार अधिकारी-कर्मचारी जनगणना-2027 के कार्य को अंजाम देंगे। इनमें लगभग 5 हजार प्रगणक व 829 पर्यवेक्षक, 41 चार्ज अधिकारी, 42 फील्ड ट्रेनर्स, 4 मास्टर ट्रेनर्स व 9 जिला स्तरीय अधिकारी शामिल हैं। शहरी क्षेत्र में नगर निगम आयुक्त प्रमुख जनगणना अधिकारी का दायित्व निभायेंगे। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र में जिला पंचायत के सीईओ यह जिम्मेदारी निभायेंगे। प्रथम चरण में प्रगणक घर-घर जाकर मकान सूचीकरण व मकानों की गणना का कार्य करेंगे। साथ ही लोगों द्वारा स्वतः ही मोबाइल एप पर 34 बिंदुओं में भरी गई जानकारी की जांच कर सत्यापन भी करेंगे। ज्ञात हो जनगणना - 2027 के लिये ग्वालियर जिले में जिन्हें प्रशासनिक इकाई माना गया है, उनमें 10 तहसील, 10 नगर व 589 गाँव शामिल हैं।

प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना

भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत ग्वालियर जिले में भी दो चरणों में जनगणना होगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) कार्य मध्यप्रदेश में 01 मई से 30 मई 2026 तक किया जायेगा। इस चरण का उद्देश्य द्वितीय चरण अर्थात जनसंख्या गणना के लिये मास्टर फ्रेम तैयार करना है। जनगणना के द्वितीय चरण का काम फरवरी 2027 में होगा। देश के बर्फीले क्षेत्रों में सितम्बर 2026 में द्वितीय चरण की गणना होगी।

प्रगणक करेंगे डाटा संग्रहण और डाटा की बहुस्तरीय जाँच होगी

जनगणना कार्यक्रम के तहत प्रगणक घर-घर जाकर 'Census 2027-HLO' मोबाइल एप का उपयोग कर डिजिटल डाटा संग्रह करेंगे। साथ ही लोगों द्वारा पोर्टल पर स्व-गणना के तहत भरी गई जानकारी का सत्यापन भी करेंगे। दोनों तरह से प्राप्त डाटा की बहुस्तरीय जाँच होगी। पहले यह कार्य पर्यवेक्षकों द्वारा किया जायेगा। साथ ही चार्ज अधिकारी भी मैदान में जाकर पुनः सत्यापन कर त्रुटियां ठीक करायेंगे। ग्राम व नगर रजिस्टर का प्रारूप व विषय वस्तु, ग्रामीण व नगरीय चार्ज रजिस्टर, प्रगणक, पर्यवेक्षकों व चार्ज अधिकारियों के कार्य, पर्यवेक्षण व कानूनी शक्तियां इत्यादि के बारे में भी जानकारी दी।

प्रत्येक प्रगणक व पर्यवेक्षक को मानदेय के रूप में मिलेंगे 25 - 25 हजार रुपए

जनगणना-2027 का कार्य करने वाले प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा आकर्षक मानदेय प्रदान किया जायेगा। प्रत्येक प्रगणक व पर्यवेक्षक को दोनों चरणों में जनगणना से संबंधित कार्य के लिये कुल मिलाकर 25 - 25 हजार रुपए मानदेय के रूप में प्रदान किए जायेंगे।

चंदेरी की बेटी विजेता बुंदेला ने रचा इतिहास- 10वीं की प्रदेश प्रावीण्य सूची में हासिल किया 9वां स्थान, एसडीएम ने किया सम्मानित

अशोक नगर (राघवकीर्ति)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी किया गया है। अशोकनगर जिले की तहसील चंदेरी के शासकीय मॉडल स्कूल चंदेरी की मेधावी छात्रा कुमारी विजेता बुंदेला ने कक्षा 10वीं की परीक्षा में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में नौवां स्थान प्राप्त कर न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे चंदेरी क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। छात्रा की इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर चंदेरी के अनुविभागीय दंडाधिकारी मनीष धनगर ने उन्हें अपने कार्यालय में आमंत्रित कर विशेष रूप से सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने विजेता को प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न भेंट करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विजेता की यह सफलता अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत है और सीमित संसाधनों में भी कड़ी मेहनत से लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। प्रशासनिक सेवा में जाने का है लक्ष्य सम्मान समारोह के दौरान विजेता बुंदेला ने अपनी सफलता के सूत्र साझा किए। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में प्रशासनिक सेवा आईएएस में जाकर समाज और देश की सेवा करना चाहती हैं। विजेता ने कहा, 'मेरा सपना है कि मैं एक अधिकारी बनकर चंदेरी जैसे क्षेत्रों के विकास में अपना योगदान दे सकूं।' गुरुजनों के मार्गदर्शन को बताया सफलता का आधार अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विजेता ने अपने माता-पिता के साथ-साथ विद्यालय के प्राचार्य रामसहाय कटारे और अपने शिक्षकों को दिया। उन्होंने कहा कि प्राचार्य महोदय के कुशल मार्गदर्शन और शिक्षकों द्वारा कराए गए गहन अध्यापन कार्य की बदौलत ही वे आज इस मुकाम पर पहुँच पाई हैं। विद्यालय में पढ़ाई का अनुशासित माहौल और शिक्षकों का निरंतर सहयोग उनकी सफलता की नींव बना। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों ने विजेता को बधाई देते हुए खुशी जाहिर की है। मॉडल स्कूल चंदेरी की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

कलेक्टर ने जनगणना प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

गुना (राघवकीर्ति)। आगामी जनगणना के कार्यों हेतु जिले के अंतर्गत 13 अप्रैल से 24 अप्रैल तक चार्ज स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में उत्कृष्ट विद्यालय में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने जनगणना कर्मियों के प्रशिक्षण कार्य का निरीक्षण करते हुए प्रशिक्षण की गुणवत्ता का जायजा लिया और अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की प्रक्रिया, उपस्थित कर्मियों की सहभागिता तथा दिए जा रहे विषय-वस्तु की जानकारी ली। उन्होंने फील्ड ट्रेनर्स से प्रशिक्षण मॉड्यूल के बारे में विस्तार से चर्चा की और सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी कर्मियों को जनगणना के प्रत्येक बिंदु की स्पष्ट एवं व्यवहारिक जा कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्राप्त आंकड़े शासन की नीतियों एवं योजनाओं के निर्माण का आधार बनते हैं।

उल्लेखनीय है जिले में प्रगणकों का प्रशिक्षण तीन चरणों में दिया जा रहा है। पहला चरण 13 से 16 अप्रैल, दूसरा चरण 17 से 19 अप्रैल एवंतीसरा 22 से 24 अप्रैल 2026 के बीच संपन्न होगा। जनगणना के पहले चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की जाएगी। जिसमें 16 से 30 अप्रैल तक स्व गणना एवं 1 से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की जाएगी। इस प्रशिक्षण में जिला स्तर से नियुक्त 48 फील्ड ट्रेनरों द्वारा विभिन्न चार्ज में प्रगणक /पर्यवेक्षक को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के उपरांत प्रगणक /पर्यवेक्षक अपने आवंटित ब्लॉक में 1 मई से 30 मई के बीच घर-घर जा कर मोबाइल ऐप के माध्यम से डाटा का संग्रहण करेंगे। घर की स्थिति, सुविधाएं और मूलभूत जानकारी संकलित की जाएगी। जनगणना अधिनियम के तहत यह जानकारी पूरी तरह गोपनीय रहेगी।

एसडीएम ने किया गेंहू उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण

दतिया (राघवकीर्ति)। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर औसत अच्छी गुणवत्ता (एफएक्यू) के गेंहूं का उपार्जन शासन द्वारा घोषित समर्थन मूल्य 2585 रूपये प्रति क्विंटल एवं बोनस 40 रूपये की दर पर आज बुधवार से प्रारंभ हो गया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दतिया लोकेन्द्र सरल ने आज गेंहू उपार्जन केंद्र गोंधारी-कुरथरा (तिवारी वेयरहाउस, कुरथरा) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं जैसे छाया, पेयजल एवं तुलाई व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया गया।

।। जय गणेश ।।

'स्वस्तिनोऽस्त्वभयं नोऽस्तु'

॥ राघवकीर्ति ©॥

"हमारा एक परामर्श, संवारेगा आपका भविष्य"

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिष से जानें आपका भविष्य

सटीक कुंडली विश्लेषण एवं आपकी समस्या निवारण के लिए अचूक उपाय, कालसर्प दोष, मंगल भात पूजा, श्रीमहामृत्युंजय मंत्र जप, रुद्राभिषेक, चौरासी महादेव पूजन अभिषेक, नव ग्रह शांति, सप्तशती पाठ, दुर्गा पाठ, दुर्गा हवन, मूल नक्षत्र शान्ति, वास्तु शान्ति एवं बिना तोड़-फोड़ वास्तु दोष निवारण के लिए प्राणप्रतिष्ठित श्रीयन्त्र सहित विभिन्न कामनाओं की पूर्ति हेतु मंगलकारी यन्त्रों के लिए विश्वसनीय

कुंडली बनवाने या किसी विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए यज्ञ/अनुष्ठान/दुर्गा पाठ, हवन, पुराण आदि के लिए संपर्क करें

आचार्य राघवकीर्ति गणेश

ज्योतिष, वास्तुविद्, तंत्र विशेषज्ञ और पुराण प्रवक्ता

प्रमुख — महागणपति आध्यात्मिक मिशन

राष्ट्रीय संयोजक — भगवन्नाम संकीर्तन मंडल (भस्म)

राष्ट्रीय अध्यक्ष — गण सेना (फाउण्डेशन)

9755910000

(कृपया भेंट से पूर्व समय लें)

www.jyotishvastu.com

WhatsApp : 9479319999

दक्षिणा के लिए PhonePe 8602110000 (Raghavkirti)

- उपलब्धता -

उज्जैन ● इंदौर ● भोपाल ● बैंगलोर ● चैन्नई ● हैदराबाद ● मुम्बई ● नई दिल्ली ● अहमदाबाद ● जयपुर

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026

कलेक्टर श्री सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान की विभाग वार समीक्षा बैठक की

उज्जैन (राघवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विभागवार समीक्षा बैठक की। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, वन मंडलाधिकारी अनुराग तिवारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा पॉवर पोईंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत उन्हें दिए गए लक्ष्य के विरुद्ध प्रगति और विभाग द्वारा किए गए कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

बैठक में जिन विभागों द्वारा निर्धारित लक्ष्य की आशानुरुप प्रगति नहीं की गई थी। उन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने समय सीमा में लक्ष्य की पूर्ति करने के निर्देश दिए। अन्यथा संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही करने की चेतावनी दी। बैठक में नगर निगम के अंतर्गत नगरीय निकायों में अमृत फेज-2 योजना के तहत जल संग्रहण संरचनाओं के जीर्णोद्धार के बारे में बताया गया कि नीलगंगा सरोवर और सोलह सागर का जीर्णोद्धार कार्य प्रगतिरत है। 8 शासकीय भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया गया है।

रुद्र सागर में वेटिवर प्लांटेशन का कार्य किया गया है जिससे जल स्त्रोंतों की प्राकृतिक रूप से सफाई हो सके। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के परिसर में 6 हेक्टेयर क्षेत्र में 2.5 से 3 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने क्षेत्र को और विस्तृत करने तथा पंचक्रोशी मार्ग पर भी वृहद स्तर पर छायादार वृक्ष लगाए जाने के निर्देश दिए। साथ ही पेयजल के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अधिक से अधिक प्याउ (जल मंदिर) प्रारंभ करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने शहर के प्रमुख तालाब और सागरों के आस-पास भी पौधारोपण करने के निर्देश दिए। प्राचीन बावड़ियों, कुओं और तालाबों से अतिक्रमण हटाए जाने के निर्देश दिए तथा गोवर्धन सागर, गयाकोटा सरोवर की साफ-सफाई कर इसका नियमित रूप से संधारण करने के निर्देश दिए। शिप्रा नदी के घाटों की साफ-सफाई और संधारण के लिए एनजीओ का सहयोग लेने के निर्देश दिए।

जिला शहरी विकास अभिकरण के द्वारा जानकारी दी गई कि नागदा, खाचरौद और बड़नगर में प्राचीन तालाब का जीर्णोद्धार किया जाना है। कलेक्टर श्री सिंह ने इसमें निजी जन भागीदारी से सरोवर और तालाबों की सफाई का कार्य कराए जाने के निर्देश दिए। रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम शासकीय भवनों के साथ-साथ निजी भवनों में भी लगवाने के लिए आमजन को प्रेरित करने के निर्देश दिए। नागदा में 10 हजार और बड़नगर में 8 हजार पौधों का रोपण करने का लक्ष्य पीओ डुडा को दिया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिए कि विभागों द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जो भी कार्य किए जा रहे है।

उन्हें अनिवार्य रूप से पोर्टल पर भी दर्ज करवाया जाए। इसके लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार के अलग-अलग पोर्टल है। दोनों में समय-समय पर कार्यों की प्रगति अपडेट की जाए। प्रमख मार्गों के आस-पास उद्यानों, जल स्त्रातों के समीप वृहद स्तर पर पौधे लगाए जाए। प्राचीन जल स्त्रोतों के आस-पास से अतिक्रमण हटवाया जाए तथा वहां साफ-सफाई के साथ-साथ प्राकृतिक रुप से जल भर सके इसके लिए प्रयास किए जाए।

कुंओं और बावड़ियों की साफ-सफाई और उनके संधारण के लिए अलग से कार्य योजना बनाई जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि वन विभाग द्वारा 2 लाख से अधिक पौधे लगाए जा रहे है। इनकी सतत रूप से मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री सिंह ने उद्यानिकी विभाग को छायादार वृक्ष लगाए जाने के निर्देश दिए। जल संसाधन विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि बालोदा में एक तालाब की मुरम टॉपिंग की गई है। तालाबों से गाद निकालने का कार्य भी प्रगतिरत है। कलेक्टर श्री सिंह ने स्टॉप डेम और बैराज की भी नियमित रूप से सफाई करवाने के निर्देश दिए।

एमपीआईडीसी द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में वृक्षारोपण किए जाने की जानकारी दी गई कि वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्रों में 2945 पौधों का रोपण किया गया है। तथा 28 औद्योगिक इकाईयों में टॉप रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए गए है।

जन अभियान परिषद द्वारा जानकारी दी गई कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 23 स्थानों पर जागरुकता रैली, 42 स्थानों पर चौपाल संवाद, 122 स्थानों पर दीवार लेखन, 15 स्थानों पर कलश यात्रा, 65 स्थानों पर प्याउ का शुभारंभ, 14 स्थानों पर चित्रकला वाद विवाद और स्लोगन प्रतियोगिताएं, 18 स्थानों पर नदी के तटों की साफ-सफाई, 16 स्थानों पर कुओं बावड़ियों की साफ-सफाई और 09 स्थानों पर वृक्षारोपण का कार्य किया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने साफ-सफाई के कार्य हो जाने के पश्चात वॉलेन्टियर्स से उन स्थानों का रख-रखाव कराए जाने के निर्देश दिए।

स्कूल शिक्षा विभाग को विद्यालयों में पेयजल की टंकियों की सफाई का कार्य अगले 02 दिनों में शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में कुल 85 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। साथ ही 15 महाविद्यालयों में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि 108 आंगनवाडियों में रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया गया है। 173 पोषण वाटिका का विकास किया जा रहा है। पीएचई विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि नल जल योजना के अंतर्गत नियमित रूप से पंप ऑपरेटर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। जल की गुणवत्ता और परीक्षण तथा नलों की दुरुस्ती का कार्य निरंतर जारी है।

जनपद पंचायत उज्जैन द्वारा जानकारी दी गई कि अभियान के अंतर्गत 150 से अधिक पंचायतों में जल संरक्षण की शपथ दिलवाई गई है। शहर के सभी प्रमुख प्रवेश मार्गों पर विभिन्न स्थानों में सार्वजनिक प्याउ लगाए गए है। राणाबड़ बावड़ी और चिंतामण बावडी में नियमित रूप से सफाई करवाई जा रही है। 16 तालाबो का गहरीकरण कार्य वर्तमान में तेज गति से चल रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जल संरक्षण और संवर्धन के लिए स्थानीय लोगों में अधिक से अधिक जागरुकता लाई जाए। साथ ही जल स्त्रातों को नियमित रुप से स्वच्छ रखा जाए ताकि उनका जल स्तर प्राकृतिक रूप से बना रहे।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की मासिक बैठक संपन्न हुई

उज्जैन (राघवकीर्ति)। बैठक शालिनी जितेंद्र साहू वह वीणा पुरोहित द्वारा हुई कार्यक्रम स्थल ड्रीम रिजॉर्ट प्रांतीय रक्तदान अंगदान प्रमुख विजयलक्ष्मीगणेश अध्याय ने बताया की कार्यक्रमअध्यक्ष ज्योति सोनी की अध्यक्षता में हुआ सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रजलान उपाध्यक्ष सुनीता ऐलजपुरिया ने किया इसके बाद ओम का उच्चारण व संगठन की प्रार्थना की सचिव स्मिता मुंदड़ा कोषाध्यक्ष उषा तिवारी ने अपना पुराना हिसाब किताब पेश किया।

वह 5000 की राशि बचाकर नए अध्यक्ष के हाथों में सोपी नए अध्यक्ष ने अपनी कार्यकारिणी के साथ पहली बैठक की और शालिनी साहू बिना पुरोहित द्वारा सभी का दुपट्टा पहना कर सम्मान किया व गुलाब के फूलों से वेलकम किया कई गेम खिलाए जिसमें फर्स्ट विजयलक्ष्मी उपाध्याय रही।

कार्यक्रम में मौजूद प्रांतीय जनसंपर्क प्रमुख रानी सोनी सामान्य समिति प्रमुख दुर्गा तिवारी सरोज खंडेलवाल पर्यावरण प्रमुख गुंजा सोनी बालविकास प्रमुख ममता वर्मा महिला सशक्तिकरण प्रमुखश्वेता मुंदड़ा उर्मिला राजीव गुप्ता नम्रता मुंदड़ा अनीता अनुपम नीलम सोनी सीमा बैरागी अनीता शर्मा शारदा रितु सोनी कार्यक्रम के समापन पर शालिनी जितेंद्र साहू ने सबका आभार व्यक्त किया।

पन्ना की प्रतिभा बनी प्रदेश की टॉपर - 500 में 499 अंक लाकर रचा इतिहास

पन्ना (राघवकीर्ति)। सरस्वती विद्या मंदिर जहाँ संस्कार के साथ शिक्षा दी जाती है और पन्ना की बेटी जिसमें प्रदेश में टॉप किया उसकी तस्वीर बता रही है कि माता पिता ने कैसे संस्कार दिए हैं। पन्ना जिले की गुनौर तहसील की बेटी प्रतिभा सिंह सोलंकी पिता भारतेंद्र सोलंकी ने कक्षा 10 में प्रदेश में पहला स्थान पाया है और वो भी सिर्फ एक नंबर काट पाये हैं। कॉपी चेक की होगी उसने प्रतिभा बिटिया को उत्तरपुस्तिका को तीन चार बार पलटाया होगा कि कहीं कोई कमी तो निकले लेकिन बेटी ने नाम के अनुरूप प्रतिभा दिखाई और माँ पिता के साथ सरस्वती स्कूल की गरिमा को शिखर में पहुंचाया। पन्ना जिले में सिर्फ़ हीरे, टाइगर ही नहीं बल्कि प्रतिभा भी मिलती है। प्रतिभा बिटिया आपको बहुत बहुत बधाई..आसमान को छुओ यही दुआ हमाई।

कलेक्टर श्री सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अंतर्गत जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक संस्थाओं के साथ बैठक की

उज्जैन (राघवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता और नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा और जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट की उपस्थिति में बुधवार दोपहर सिंहस्थ मेला कार्यालय में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक संस्थाओं के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अंतर्गत नदियों के संरक्षण के लिए नदी किनारे और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पंचक्रोशी यात्रा मार्ग पर पौधारोपण करने पर विशेष ध्यान देने पर चर्चा की। कलेक्टर श्री सिंह ने पौधारोपण के पश्चात पौधों की देखभाल करने, ट्री गार्ड लगाने, सिंचाई की सुविधा और उनके रख रखाव आदि में जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर भी बैठक में विस्तृत चर्चा की। बैठक में समाजसेवी नरेश शर्मा ने बताया कि मां शिप्रा की यात्रा के माध्यम से उनकी संस्था शिप्रा को शुद्ध रखने का संदेश देकर नागरिकों को जागरूक करती है। बैठक में नदी की स्वच्छता बनाए रखने और मां शिप्रा और जिले की अन्य नदियों के संरक्षण पर भी चर्चा की गई। जिले की 13 ऐतिहासिक बावड़ियों के कायाकल्प पर भी बैठक में चर्चा की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि जल स्त्रोत हमारी धरोहर है,जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत उक्त धरोहरों के संरक्षण का कार्य किया जा रहा है।बैठक में रूप पमनानी ने सुझाव दिया कि श्रद्धालुओं द्वारा नदी, बावड़ी और तालाबों में फूल, पत्ती डालने से पानी अस्वच्छ हो जाता है, इससे बचाव के लिए सामाजिक जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही जल संरचनाओं पर अतिक्रमण करने वाले और जल स्रोतों को दूषित करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाए। नगर निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने अभियान अंतर्गत भू जल स्तर बढ़ाने के लिए रैन वाटर हार्वेस्टिंग सभी घरों में लगाने और रिचार्ज पिट जल भराव वाले क्षेत्रों में बनाने पर भी चर्चा की। जल संरचनाओं से अतिक्रमण हटाने, टेरेस गार्डन बनाने आदि पर भी चर्चा की गई। बैठक में स्मार्ट सिटी सीईओ संदीप शिवा, नगर निगम अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह, जन अभियान परिषद के जय दीक्षित, समाजसेवी अभय विश्वकर्मा, श्रीमती वैशाली परमार, राकेश पंड्या और समाजसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने उज्जैन- जावरा ग्रीनफील्ड मार्ग निर्माण की समीक्षा की

उज्जैन (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देश पर उज्जैन- जावरा ग्रीन फील्ड मार्ग बनाया जाना प्रस्तावित है इसके लिए आज संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने रतलाम कलेक्टर कार्यालय में पहुंचकर कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह और एमपी आरडीसी के अधिकारियों के साथ इस संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक में बताया गया कि उज्जैन जावरा ग्रीन फील्ड मार्ग में उज्जैन और रतलाम के जिले के गांव आ रहे हैं। इनमें भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है। जावरा से लेकर महू नीमच मार्ग तक जोड़ने के लिए प्रस्तावित भूमि के लिए आज समीक्षा की गई। जिसमें संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए कि कलेक्टर रतलाम इस संबंध में अवार्ड पारित करें और सभी राजस्व के अधिकारी किसानों से चर्चा कार्यवाही सुनिश्चित करें। संभाग आयुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 अप्रैल को इस मार्ग निर्माण के लिए उज्जैन से भूमि पूजन करेंगे। दोनों छोर से काम शुरू करने के लिए आवश्यक है कि भूमि अधिग्रहण के साथ अन्य कार्यवाही भी समय पर पूर्ण हो जाए।

जायंट्स ग्रुप आफ उज्जैन द्वारा पंचकोशी यात्रियों को ककड़ी वितरण

उज्जैन (राघवकीर्ति)। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली पंचकोशी यात्रा मैं जायंट्स ग्रुप आफ उज्जैन द्वारा ककड़ी का वितरण सप्रेम किया गया।

जायंट्स ग्रुप ऑफ़ उज्जैन द्वारा ककड़ी वितरण का कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। ककड़ी वितरण कार्यक्रम में जायंट्स ग्रुप आफ उज्जैन के अध्यक्ष श्री सुरेश फरक्या सहित ग्रुप के अशोक झालानी अमृत बलसारा, श्रीमती सुशीला फरक्या, श्रीमती अयोध्या बाई बोराना भगवानदास गुप्ता, भगवती प्रसाद सालविया उपस्थित रहे। यह जानकारी जायंट्स ग्रुप के डॉ प्रेम प्रकाश बोराना ने दी।

उज्जैन जिले के परीक्षा परिणाम में, कक्षा 10वीं व 12वीं में उल्लेखनीय वृद्धि

उज्जैन (राघवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि जिले में वर्ष 2025-26 के बोर्ड परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। कक्षा 10वीं एवं 12वीं दोनों के परिणामों में गत वर्ष की तुलना में वृद्धि देखी गई है, जिससे जिले की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार परिलक्षित होता है। कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम गत वर्ष 80.57% था, जो इस वर्ष बढ़कर 83.03% हो गया है। इस प्रकार लगभग 2.5% की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं कक्षा 12वीं का परिणाम 79.99% से बढ़कर 86.23% हो गया, जो 6.24% की महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है।

कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

दिव्यांगजनों को बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए जिले में चलेगा सुगम्य इंदौर अभियान

जिला प्रशासन की संवेदनशील पहल

इंदौर (राघवकीर्ति)। इंदौर जिले में दिव्यांगजनों को बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सुगम्य इंदौर अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान दो चरणों में चलेगा। कलेक्टर शिवम वर्मा ने जिले में 'सुगम्य इंदौर अभियान' को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि यह अभियान दिव्यांगजनों के लिए शहर को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रोशन राय, रिंकेश वैश्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान को चरणबद्ध तरीके से प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। बताया गया कि पहले चरण में जिले के सभी सार्वजनिक भवनों का सर्वे कर वहां दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी एकत्रित की जाएगी। इसके बाद दूसरे चरण में चिन्हित कमियों को दूर करते हुए भवनों में रैंप, रेलिंग, शौचालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि दिव्यांगजनों को कहीं भी आवागमन में बाधा न हो। बताया गया कि अभियान के क्रियान्वयन के लिए एक विशेष पोर्टल भी तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से सर्वे और कार्यों की मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में निर्देश दिए गए कि 'सुगम्य इंदौर अभियान' केवल औपचारिक पहल न होकर जमीनी स्तर पर प्रभावी परिणाम देने वाला अभियान बने। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि सभी विभाग इस दिशा में जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि इंदौर को एक समावेशी और दिव्यांग-अनुकूल शहर के रूप में विकसित किया जा सके।

इसके साथ ही कलेक्टर श्री वर्मा ने जिले में निर्माणाधीन ओवरब्रिज परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य में तेजी लाई जाए और दैनिक कार्य योजना बनाकर निर्धारित समय में निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत दर्ज आवेदनों की विस्तार से समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में अभियान चलाकर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निराकरण केवल औपचारिक न हो, बल्कि सकारात्मक एवं गुणात्मक हो। प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में यातायात सुधार और फायर सेफ्टी के लिए चलाए जा रहे अभियानों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि इन अभियानों को नियमित रूप से संचालित रखा जाए, ताकि आमजन को बेहतर सुविधा और सुरक्षा मिल सके।

बैठक में ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतवार कार्य योजना बनाकर उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, जिससे किसी भी क्षेत्र में जल संकट की स्थिति न बने।

डॉ. आंबेडकर की जयंती पर की नवीन प्रतिमा की स्थापना

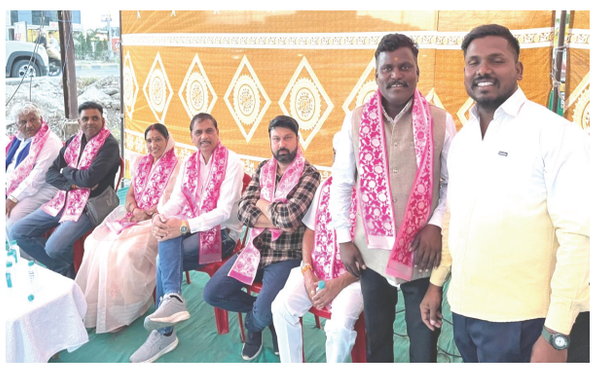

इंदौर (राघवकीर्ति)। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की जयंती के पावन अवसर पर नया बसेरा, गांधी नगर, इंदौर में उनकी नवीन प्रतिमा स्थापना का गरिमामय कार्यक्रम 14 अप्रैल 2026 को संध्या 5.00 बजे सम्पन्न हुआ। यह आयोजन सामाजिक समरसता, जागरूकता और एकता का उदाहरण बना, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में रहवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान बाबा साहब के जीवन संघर्ष, उनके महत्वपूर्ण योगदान एवं उनके विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया तथा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ बाहुबली नगर के प्रौढ़ प्रमुख नंदकिशोर वाघमारे, भारतीय जनता पार्टी नगर उपाध्यक्ष भारत पारीक, मंडल अध्यक्ष सुशील शर्मा, भाजपा नेता सावित्री जगदीश चौकसे, संदीप गवई, करण नरेंद्र बक्शी, सोनू अहीरवाल, राहुल सोलंकी, सावन बोरले, रामभजन तंबोली, बलराम वर्मा, समाजसेवी राजेंद्र बाजोड़े, मनीष हरवंशी, बंटी शिरोडकर, विजय बाबुलकर, अजय मोरे, रवि सोनोने, सतीश चौहान, प्रदीप तायडे, संस्था प्रयास के सचिव प्रवीण निशित, पंचम पटेल, कुलदीप नरवले, अमित बोयत, विकास सुनेरे, तिलक साठे, अमन तायडे, सुमित बाली, पवन तायडे, धर्म रक्षा समिति संयोजिका लक्ष्मी चंदनशिव, प्रिया दीदी बीडवान, दीपाली सुनेरे, दुर्गा कांबले, अमन कुरील, जितेंद्र भिंडवाल, राहुल करोसिया, लोकेश गौहर सहित अन्य कार्यकर्ता गण, मातृशक्ति, वरिष्ठजन एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन की जानकारी देते हुए मोहित गौहर ने बताया कि यह संपूर्ण कार्यक्रम लहूजी शक्ति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अनिल साठे के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने, सामाजिक समता और न्याय के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों को मिलता है 25 हजार का प्रोत्साहन

इंदौर (राघवकीर्ति)। राज्य शासन द्वारा निर्माण श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा 'सुपर 5000 योजना' वर्ष 2013 से संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 25 हजार की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। योजना के अनुसार, राज्य मेरिट में टॉप 5000 योजना में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को यह लाभ मिलेगा। कक्षा 10वीं में राज्य स्तर की टॉप 5000 योजना में मेरिट में स्थान होना आवश्यक है, जबकि कक्षा 12वीं में अपने-अपने संकाय (विज्ञान, वाणिज्य, कला) की टॉप 5000 मेरिट योजना में शामिल होना अनिवार्य होगा। इस योजना का लाभ केवल उन्हीं विद्यार्थियों को मिलेगा, जिनके माता या पिता परीक्षा परिणाम जारी होने के पूर्व MPBOCW में पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं तथा जिन्होंने मध्यप्रदेश बोर्ड से परीक्षा उत्तीर्ण की है।

आवेदन के लिए श्रम सेवा पोर्टल www.labour.mp.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ मेरिट प्रमाण पत्र एवं विद्यालय के प्राचार्य की अनुशंसा संलग्न करना अनिवार्य है। महत्वपूर्ण बात यह है कि विद्यार्थी को परीक्षा उत्तीर्ण करने के अगले वर्ष 31 मार्च तक आवेदन करना होगा, अन्यथा वह इस योजना के लाभ से वंचित हो सकता है।

निःशुल्क शिक्षा के अधिकार अधिनियम (RTE) में एडमिशन संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए हेल्पलाइन नंबर

इंदौर (राघवकीर्ति)। जिला प्रशासन ने कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन पर निःशुल्क शिक्षा के अधिकार अधिनियम (RTE) में एडमिशन संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। अभिभावक जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर 0731-2431117 पर अपनी शिकायत सीधे दर्ज करा सकते हैं। यह हेल्पलाइन कार्यालयीन समय में संचालित रहेगी।

अभिभावकों से आग्रह किया गया है कि वे निःशुल्क शिक्षा के अधिकार अधिनियम (RTE) में एडमिशन संबंधी किसी भी तरह की समस्याओं को इस नम्बर पर दर्ज करा सकते हैं। चयनित बच्चों को स्कूल में एडमिशन नहीं देने तथा किसी भी तरह से परेशान करने वाले स्कूलों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

संवाददाता नियुक्त करना है

प्रदेश के समस्त पंचायत स्तर पर संवाददाता/ विज्ञापन प्रतिनिधि नियुक्त करना है।

सम्पर्क

दैनिक राघवकीर्ति

94793 19999

दैनिक राघवकीर्ति

MPHIN/2007/22188

हर पल हर तरफ चौकस निग़ाहें-ताज़ातरीन ख़बरें

www.raghavkirti.news

WhatsApp 9755910000

इंदौर में अनोखी पहल - खेतों में लग रही 'कृषि पाठशाला'

इंदौर (राघवकीर्ति)। जहां आमतौर पर पाठशाला का मतलब स्कूल, छात्र और शिक्षक से होता है, वहीं प्रदेश के इंदौर जिले में एक अनोखी पहल देखने को मिल रही है। यहां 'कृषि सखियों की पाठशाला' में न तो पारंपरिक शिक्षक हैं और न ही छात्र– बल्कि किसान दीदियां ही शिक्षक बनकर किसानों को खेती के नए तरीके सिखा रही हैं। इंदौर जिले के महू जनपद में संचालित इस अनूठी पहल के तहत स्व-सहायता समूह की महिलाएं किसानों को प्राकृतिक खेती, किचन गार्डन और आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण दे रही हैं।

कृषि सखी एवं संध्या सेल्फ हेल्प ग्रुप की अध्यक्ष पवित्रा निनामा ने बताया कि उन्होंने पांच गांवों में 100 से अधिक किसान परिवारों को किचन गार्डन विकसित करने के लिए प्रेरित किया है। इससे न केवल प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिला है, बल्कि किसानों को आर्थिक बचत के साथ बेहतर स्वास्थ्य का लाभ भी मिल रहा है। किसान अब अपने घरों में उगाई गई सब्जियों का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने किसानों को जीवामृत, बीजामृत और अन्य जैविक घोल तैयार करना भी सिखाया है, साथ ही 125 से अधिक खेतों की मिट्टी जांच (सॉइल टेस्टिंग) कराई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में इस पहल का असर साफ नजर आने लगा है। कोलानी गांव की स्व- सहायता समूह सदस्य प्रमिला वसुनिया ने बताया कि किचन गार्डन से खेती में सुधार हुआ है और अब वे घर पर ही सब्जियां उगा रही हैं।

आर्थिक सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदम

यह पहल केवल खेती तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रही है। स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं अब अनाज उपार्जन और विपणन कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। जिला प्रबंधक (मॉनिटरिंग-कृषि) गायत्री राठौड़ के अनुसार, जिले में 34 प्रोड्यूसर कंपनियों के माध्यम से महिलाएं गेहूं, मूंग और आलू जैसे उत्पादों के उपार्जन और विपणन से जुड़ी हैं। देपालपुर और महू ब्लॉकों में महिलाएं समूह के माध्यम से कृषि उत्पादों की खरीदी कर उन्हें मंडी तक पहुंचा रही हैं।

नवाचार बना सफलता की मिसाल

डे-एसआरएलएम इंदौर के जिला परियोजना प्रबंधक हिमांशु शुक्ला ने बताया कि 'कृषि पाठशाला' का यह नवाचार सफल रहा है। अब तक 50 से अधिक गांवों में 100 से ज्यादा कृषि पाठशालाएं संचालित की जा चुकी हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे महिलाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है।

प्रशासन का समर्थन

इंदौर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कृषि सखियों द्वारा संचालित इन पाठशालाओं से किसानों को निःशुल्क और व्यवहारिक जानकारी मिल रही है। इससे उन्हें खेती की सही तकनीक समझने का अवसर मिल रहा है और प्रशासन लगातार किसानों को इससे जुड़ने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

इंदौर जिले में 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के पूर्व निःशुल्क लाइव योग अभियान प्रारंभ

इंदौर (राघवकीर्ति)। आयुष विभाग इन्दौर द्वारा 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाया जाएगा। उक्त संबंध में आयुष मंत्रालय भोपाल के द्वारा आदेश जारी किया गया है। कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में इसके पूर्व जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फ्री लाइव योग कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा आयोजित किया जा रहा है। जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन के दैनिक जीवन में योग को शामिल करना है। इसके अंतर्गत प्रतिभागियों के लिए निशुल्क 14 दिवसीय योग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका प्रसारण ऑनलाइन माध्यम से किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 27 मई को समाप्त होगा। योग सत्रों में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 पर संपर्क कर सकते हैं।

बोर्ड परिणामों में शानदार प्रदर्शन महिला बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने दी बधाई

इंदौर (राघवकीर्ति)। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों में झाबुआ जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। हायर सेकेंडरी परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल करने के साथ ही हाई स्कूल में शीर्ष 10 जिलों में स्थान बनाकर जिले ने सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

इस उपलब्धि पर महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिले के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने इसे 'झाबुआ के बदलाव की नई इबारत' बताते हुए कहा कि यह सफलता आदिवासी अंचल में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता और कड़ी मेहनत का परिणाम है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने अपने संदेश में कहा कि झाबुआ के विद्यार्थियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं होती। सीमित साधनों के बावजूद विद्यार्थियों ने जिस समर्पण और परिश्रम से यह मुकाम हासिल किया है, वह सराहनीय है। उन्होंने शिक्षकों के योगदान की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और प्रतिबद्धता ने बच्चों को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता को निरंतर बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को और सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे जिले के विद्यार्थी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकें।

मंत्री सुश्री भूरिया ने उन विद्यार्थियों का भी हौसला बढ़ाया जो इस बार सफलता प्राप्त नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि परीक्षा के अंक जीवन का अंतिम पैमाना नहीं होते। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से सकारात्मक सोच के साथ पुनः प्रयास करने का आह्वान किया।

स्वामी, प्रकाशक श्रीमती मोहिनी उपाध्याय द्वारा मां शारदा प्रिंटर्स 28, कुम्हार पुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल मध्य प्रदेश 462008 से मुद्रित कर 25, FG, Sch 54, यश एवेन्यू, डीडीयू नगर, इन्दौर मध्य प्रदेश 452010 से प्रकाशित। मुद्रक धर्मेंद्र सिंह, संपादक राघवकीर्ति उपाध्याय (सभी समाचारों के लिए पी आर बी एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी न्यायिक मामलों का न्याय क्षेत्र जिला न्यायालय इन्दौर रहेगा। मोबा. नं. 9755910000 email- raghavkirti@gmail.com RNI No. MPHIN/2007/22188

इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने हैं तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं, अतः इनसे प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। -सम्पादक